



# TIMES OF PEDIA

NEW DELHI Page 12 Price Rs. 3.00

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

www.timesofpedia.com

WEEKLY HINDI, ENGLISH, URDU

WED 10 DEC - TUE 16 DEC 2025

VOL. 13. ISSUE 50

RNI No. DELMUL/2012/47011

## सत्य और असत्य की इस लड़ाई में भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा चुनाव आयोग: राहुल गांधी

नई दिल्ली: कांग्रेस की रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोरी महारैली के दौरान राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, ये सत्य और असत्य की लड़ाई और चुनाव आयोग इस लड़ाई में बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जब तक सत्ता है केवल तभी तक अमित शाह बहादुर हैं। संसद में उनके हाथ कांप रहे थे। राहुल गांधी ने कहा, मैंने वोट चोरी को लेकर सवाल किए थे। उसकी सफाई कुछ दिनों बाद अमित शाह ने संसद में दी।

उन्होंने कहा, सफाई देते हुए उनके हाथ कांप रहे थे।

राहुल गांधी ने कहा, भाजपा के



पास सत्ता है, वोट चोरी करते हैं, चुनाव के समय वे 10 हजार रुपये देते हैं, उनके चुनाव आयुक्त हैं— ज्ञानेश कुमार, डॉ. सुखबीर सिंह संघू और डॉ. विवेक जोशी। चुनाव आयोग—भाजपा सरकार

के साथ मिलकर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इनके लिए कानून बदला, नया कानून लेकर आए और कहा कि चुनाव आयुक्त कुछ भी करे उन पर एक्शन नहीं लिया जा सकता, उन पर कार्रवाई

नहीं हो सकती। हम इस कानून को बदलेंगे और आपके खिलाफ एक्शन लेंगे क्योंकि हम सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे हैं और आप असत्य के साथ खड़े हो।

राहुल गांधी ने कहा, जब मैं

यहां आ रहा था तो मुझे बताया गया कि अंडमान निकोबार में मोहन भागवत ने एक बयान दिया है। गांधीजी कहते थे कि सत्य सबसे जरूरी चीज है, हमारे धर्म में सत्य को सबसे जरूरी माना जाता है लेकिन मोहन भागवत का बयान सुनिए— 'विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है उसे माना जाता है।' यह मोहन भागवत की सोच है, यह की विचारधारा है। हमारी, हिंदूस्तान, हिंदू धर्म और दुनिया के हर धर्म की विचारधारा यह कहती है कि सत्य सबसे जरूरी है लेकिन मोहन भागवत कहते हैं सत्य का कोई मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है। मैं आपको गारंटी देता हूँ कि हम सत्य को लेकर, सत्य के पीछे खड़े होकर, नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आरएसएस की सरकार को सत्ता से हटाएंगे।

## प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आज हुए भयावह आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। यह हमला यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन का उत्सव मना रहे लोगों को निशाना बना कर किया गया था।

इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए, श्री मोदी ने भारत के लोगों की ओर से उन परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में भारत ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है।

इस मुद्दे पर भारत के अटूट रुख को पुनः स्पष्ट करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति रखता है और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ वैश्विक संघर्ष का



दृढ़तापूर्वक समर्थन करता है।

एक्स पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने लिखा: "ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आज हुए भयावह आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा

करता हूँ, जिसमें यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन का उत्सव मना रहे लोगों को निशाना बनाया गया। भारत के लोगों की ओर से, मैं उन परिवारों के प्रति अपनी

हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत

आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति रखता है और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है।"

## Delhi's Air Crisis: From Emergency to Action



Professor (Dr.) Jasim Mohammad

Delhi is once again struggling to breathe, but this time the danger feels deeper and more urgent. Toxic air has turned daily life into a health risk. Government hospital records showing over two lakh patients with serious respiratory problems make it clear that pollution is no longer seasonal—it is a permanent threat to the city's health and future. Air-quality levels have repeatedly fallen into the "very poor" and "hazardous" categories. These microscopic pollutants enter the lungs, affect the bloodstream, and strain the heart, causing cough, breathlessness, chest tightness, and long-term illnesses. The causes—Diwali smoke, stubble burning, construction dust, traffic emissions, and winter weather—are familiar. What is dangerous is that we have begun accepting them as normal. Conflicting pollution data from different monitoring agencies adds to the problem. Without accurate and transparent information, people underestimate the risk and fail to protect themselves. Pollution affects everyone, but children, the elderly, pregnant women, and outdoor workers suffer the most. Long-term exposure to PM2.5 is linked to heart disease, diabetes, memory loss, and reduced life expectancy—damage that builds silently over time. Against this backdrop, the high-level review meeting chaired by Union Environment Minister Bhupender Yadav on December 3, 2025, is significant. The focus on dust control, transport reform, industrial compliance, stubble management, and school eco-clubs shows official awareness. However, awareness must now translate into visible, time-bound action on the ground. Blaming farmers alone for stubble burning is neither fair nor effective. Regional cooperation, support systems, and affordable alternatives are essential. Delhi must also accelerate its shift toward cleaner transport and reduce dependence on diesel vehicles and generators. Clean air is not just an environmental issue—it is a public health and economic emergency. A modern city cannot thrive if its people cannot breathe safely. Delhi's future depends on decisive action, transparency, and collective responsibility—and that future must begin now.

## आरिफ़ मुहम्मद खान भी आये जिहाद के सर्थन में



Ali Aadil Khan, Editor

जिहाद पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा, मौलाना मदनी और मौलाना नदवी पर भड़काव बयानात का आरोप लगाया जा रहा है। हमने बार बार कहा है जिहाद जितना भारत में बोला गया या बोला जाता है इतना 57 मुस्लिम देशों में मिलाकर भी पायाद इसका जिक्र नहीं होता होगा ... जरा सोचो अगर इसपर अमल हो जाता तो क्या होता ??

इसके बर खिलाफ की रिपोर्ट के मुताबिक , 2024 में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ 1,165 की घटनाएँ दर्ज की गयीं, जबकि 2023 में इन घटनाओं की संख्या 668 थीं यानी सिर्फ एक साल में 74.4% की वृद्धि बताती है की देश में नफरत के बाजार को कितना बढ़ाया गया है।

2020 दिल्ली दंगों के बाद, कई नेताओं ने संसद में बताया कि Phate speech ने ही दिल्ली दंगों में हिंसा को हवा दी। सांसद ने बताया कि दंगों से पहले "भड़काऊ बयानबाजी" आम की गई, जो दंगों के लिए जमीन तैयार कर रही थी।

हेट स्पीच की 1,165 घटनाओं के कई मामलों में "Love Jihad", "Vote Jihad", "Land Jihad", थूक जिहाद, चूड़ी जिहाद और जिहाद -based conspiracy narratives चलाया गया था। जिसको नफरती नेशनल मीडिया की भट्टी में देहकाया गया था, कुछ याद आ रहा है आपको ??

अच्छा यह बताएं की आपको याद है या भूल गए ?? अप्रैल 2025 में झारखंड के उग्र सांसद निशिकांत दुबे Supreme Court पर क्या टिपण्णी कर रहे थे। झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे अपने बयान में कह रहे थे कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है।

उनके समर्थन में उत्तरे बीजेपी के ही राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा , कोई भी राष्ट्रपति ,लोकसभा और राज्यसभा को निर्देशित नहीं

कर सकता है। लेकिन लोक सभा में और राज्य सभा में आपके साथियों को अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने, खुले आम सदन के पटल पर जातिसूचक या धर्मसूचक गालियां देने की पैर्मिशन आपको कहाँ से मिली है ?

दूसरी तरफ जिस जिहाद लफ्ज पर आसमान सर पर उठाया हुआ है उसी जिहाद लफ्ज पर सुरेश चौहान के बिंदास बोल programme में कितना भर्म फैलाया जाता रहा है। यह भी देश को पता है ..

की अभद्र और गैर इस्लामिक व्याख्या पर कौन मुस्लिम नेता या मौलवी बोलें आप बताएं?

लेकिन जिहाद जैसे पवित्र इस्लामिक शब्दावली को लेकर लगातार अभद्र शब्दों का इस्तेमाल और इस लफ्ज को आतंकवाद जैसे धिनौने कृत्य से जोड़कर लगातार मुसलमानों के जज्बात से खिलवाड़ आखिर उलेमा कब तक बर्दाश्त करें।

उनकी धार्मिक जिम्मेदारी है कि वो अपने प्रवचन के द्वारा कुरआन के अंदर अलग अलग मौकों पर आने वाले लफ्ज

INTERNATIONAL साजिश है। और इस हमाम में अक्सर मुल्क नंगे हैं।

मौलाना महमूद मदनी के जिहाद बयान का Governor दवत आरिफ मुहम्मद खान ने समर्थन किया है। हालाँकि खान को अक्सर बीजेपी समर्थक और हिन्दू संस्कृति का प्रेरक या अनुयायी होने का उनपर आरोप लगता रहा है। हो सकता है इस सोच के पीछे उनका कोई सियासी मफाद छुपा हो, और सियासत में इस तरह के नाटक दुनिया करती ही रहती है।

अब रहा रामपुर से सांसद

► “.....लेकिन जिहाद वाले बयान पर आरिफ मुहम्मद खान भी मौलाना मदनी का समर्थन करते नज़र आये”

► “Supreme Court तो स्वामोश ही बैठा है उसने कब लोकतंत्र और संविधान को रोंदने और जलाने वालों को फांसी की सजा सुनाई है? रमेश बिधूड़ी की सदन में दी गई गालियां तो देश को याद ही हैं न ??.....”

► “लेकिन जिहाद वाले बयान पर आरिफ मुहम्मद खान भी मौलाना मदनी का समर्थन करते नज़र आये क्या कहाँ Governor साहब ने मौलाना मेहमूद मदनी से में 100 फीसद इतिफाक रखता हू. उन्होने कहा शायद हे कोई उनके इस बयान का विरोध करे.”

उनके हर प्रोग्राम में जिहाद लफ्ज की आपको पुनरावृत्ति दिखाई देगी, मिसाल के तौर पर 4 - 5 headlines बताता हूँ जैसे ....--

Bhiwandi में लैंड जिहाद का सफाया !

Land Jihad के खिलाफ डीतौजत के छत्रपति संभा. जीनगर में गरजा सरकार का बुलडोजर के सैदपूरा गांव में आई बारात पर जिहादियों ने किया हमला३

मजार कब्जे की साजिश उजागर,जिहादी नेटवर्क का पर्दाफाश स्वअम श्रपीक के खिलाफ सड़कों पर हिन्दू हुंकार

Love Jihad के भाड्यंत्र में फंसी मासूम हिंदू युवती ,,,, वगैरा वगैरा. अब यहाँ जिहाद

जिहाद की सही व्याख्या करें, उसका मतलब बताएं के जिहाद का असल मानी और मकसद क्या हैं. कोई एक व्यक्ति भी नहीं चाहता कि उसपर झूलन को लेकिन जुल्म को होते हुए देखता रहता है या खुद भी उसमें शामिल हो जाता है.

कुरआन पर ईमान रखने वाले हर शख्स पर लाजिम है कि वो हर जालिम को जुल्म से रोकने की कोशिश करे अब चाहे जुल्म दलित पर हो या ब्राह्मण पर मुस्लमान पर हो या सिक्ख पर जैन पर हो या बौद्ध पर, ईसाई पर हो या पारसी या यहूदी पर. दरअसल जा. लिमों की लफ्ज जिहाद को "इवजंम करने या बदनाम करने की यह सोची समझी

मौलाना मुहिबुल्लाह नदवी के बयान का सवाल तो उन्होंने भी सदन में मौलाना मदनी साहब के बयान को ही QUOTE किया था . अंदाज बेशक मुहिब. उल्लाह नदवी का था मगर बयान मौलाना मदनी का था. हालांकि मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने इस बात को साफ करने की कोशिश की के सदन में मैंने जिहाद पर जो कुछ कहा वो REFERENCE दिया गया था. मगर मीडिया ने उनको घेरने की कोशिश की तब उन्होंने कहा जब उमकप एक खास COMMUNITY के मोरल को डाउन करने की कोशिश करे तो उससे उल्बू करना भी जिहाद होता है इसलिए मैं आपका भी BYCOTT करता हूँ.



# Investing in Dubai opens the door to a Golden Visa: Arshad Qureshi



New Delhi: The “Bankers Real Estate” Dubai Property Show 2025 was held today at Le Meridien Hotel, New Delhi, witnessing strong participation from investors seeking secure and high-return property opportunities in Dubai. The event focused on providing practical guidance and on-ground facilitation for Indian investors.

Addressing the media, Arshad Qureshi Aslam, head of the property show, said the initiative is aimed at people who

wish to invest in Dubai real estate with complete security and transparency. Highlighting Dubai’s tax-free income system, he described the emirate as one of the most attractive global investment destinations, offering significantly higher returns on property investments.

“Our objective is to ensure maximum profit for investors. That is why we have come directly to Delhi to connect with Indian buyers,” Qureshi said. He added that investors associated with

the show would also be offered a complimentary trip to Dubai.

To accommodate investors with budget limitations, flexible payment plans spanning three to four years have been introduced, along with special booking offers. Qureshi further clarified that no interest is charged on installment-based property purchases. He noted that many Indian investors are unable to travel to Dubai due to various constraints, and the Delhi event aims to provide

them with end-to-end facilities locally.

Importantly, he announced that an investment of 5 crore qualifies the investor and their entire family for a 10-year Golden Visa.

During the event, Mohammad Gulfam and Muhammad Aslam Qureshi stated that the response to the program exceeded expectations. A large number of visitors attended the show, with CEO Arshad Qureshi personally guiding investors and addressing their queries.

## Donald Trump’s Israel-Hamas ceasefire plan faces pitfalls moving into next stage

With the remains of one hostage still in Gaza, the first phase of the US-brokered ceasefire in the war between Israel and Hamas is nearly complete, after a two-month process plagued by delays and finger-pointing.

Now, the key players — including Israel, the Palestinian militant Hamas group, the United States and a diverse list of international parties — are to move to a far more complicated second phase that could reshape the Middle East. US President Donald Trump’s 20-point plan — which was approved by the U.N. Security Council — lays out an ambitious vision for ending Hamas’ rule of Gaza. If successful, it would see the rebuilding of a demilitarized Gaza under international supervision, normalized relations between Israel and the Arab world and a possible pathway to Palestinian independence.

But if the deal stalls, Gaza could be trapped in an unstable limbo for

years to come, with Hamas remaining in control of parts of the territory, Israel’s army enforcing an open-ended occupation and its residents stuck homeless, unemployed, unable to travel abroad and dependent on international aid to stay alive.

Sheikh Mohammed bin Abdulrahman Al Thani, the prime minister of Qatar and a key mediator, said over the weekend that the ceasefire is at a critical point, while Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu is set to travel to the White House this month to discuss the next steps.

Here is a closer look at the next stages of the ceasefire and the potential pitfalls. Trump’s plan calls for the formation of an international force — known as International Stabilization Force — to maintain security and train Palestinian police to one day to take over. That force has not yet been formed, and a deployment date has not been announced.

## Syrian president seeks stronger ties with Egypt, Iraq



Syrian President Ahmad al-Sharaa said his country is looking to strengthen bilateral relations with Egypt and Iraq, describing current ties as “acceptable” but needing progress toward “a more advanced and significant stage.”

Speaking to a delegation of Damascus residents on Sunday on the occasion of Liberation Day, which marks the first anniversary of Bashar al-Assad’s ouster, Sharaa outlined the foundations of Syria’s new foreign policy, which he said is built on creating broad regional and international balance.

“Syria has created a type of balance in its relations that was impossible to achieve over the past hundred years,” he said. “Today, the entire world is not looking toward Damascus in vain.”

He described Syria’s relations with the US, Russia and China as “good.”

“Everyone is satisfied, and things are going well,” he said, adding that ties with France, UK, Germany and Spain are also constructive.

At the regional level, Sharaa said Syria’s relations with Türkiye, Saudi Arabia, Qatar and the UAE are “ideal,” while its ties with Egypt and Iraq are “acceptable,” expressing hope they would evolve “to a greater and higher level.”

The Syrian president said this balance has made Syria an “influential actor” regionally and internationally, and that Damascus now represents a model of stability and sustainable peace.

“We aim for Syria to embody this spirit and this revival,” he said.

“The most important investment is investing in this historic turning point,” Sharaa said, warning against squandering the moment.

“We’re not prepared to pay such a price every ten years.”

Early Monday, mosques across Syria held “victory chants” marking the first anniversary of Assad’s fall, following a call by the Ministry of Religious Endowments.

Cities and provinces, including Damascus, its countryside, Daraa, Hama,

Aleppo, Idlib, and Latakia, saw military parades with large public participation.

For days, Syrians across the country have been marking their liberation from Assad’s rule through commemorations of the “Deterrence of Aggression” battle, which began Nov. 27, 2024 in Aleppo before opposition forces reached Damascus 11 days later.

Many Syrians view Assad’s overthrow on Dec. 8, 2024, as the end of a long era of brutal repression marked by widespread violations against civilians, especially over 14 years of uprising.

NOTICE:

Times of Pedia does not guarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.



# हमें किसी के वंदे मातरम् गाने या पढ़ने पर कोई आपत्ति नहीं है। मगर मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इबादत में किसी को शरीक नहीं कर सकता: मौलाना अरशद मदनी

नई दिल्ली: आज संसद में "वंदे मातरम्" पर हुई बहस के संदर्भ में जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमें किसी के वंदे मातरम् पढ़ने या गाने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हम यह बात फिर से स्पष्ट करना चाहते हैं कि मुसलमान केवल एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इस इबादत में किसी दूसरे को शरीक नहीं कर सकता।

उन्होंने आगे कहा कि वंदे मातरम् की कविता की कुछ पंक्तियाँ ऐसे धार्मिक विचारों पर आधारित हैं जो इस्लामी आस्था के खिलाफ हैं। विशेष रूप से इसके चार अंतर्ग में देश को "दुर्गा माता" जैसे देवी के रूप में प्रस्तुत किया गया है और उसकी पूजा के शब्द प्रयोग किए गए हैं, जो किसी मुसलमान की बुनियादी आस्था के विरुद्ध हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19) देता है। इन अधिकारों के अनुसार किसी भी नागरिक को उसके धार्मिक विश्वास के विरुद्ध किसी नारे, गीत या विचार को अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

मौलाना मदनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का भी यह स्पष्ट फैसला है कि किसी भी नागरिक को रा ट्रगान या ऐसा कोई गीत गाने के



लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जो उसके धार्मिक विश्वास के खिलाफ हो।

उन्होंने कहा कि वतन से मोहब्बत करना अलग बात है और उसकी पूजा करना अलग बात है। मुसलमानों को इस देश से कितनी मोहब्बत है इसके लिए उन्हें किसी प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं है। आजादी की लड़ाई में मुसलमानों और जमीयत उलमा-ए-हिंद के बुजुर्गों की कुर्बानियाँ और विशेष रूप से देश के बंटवारे के खिलाफ जमीयत उलमा-ए-हिंद की कोशिशें दिन की रोशनी की तरह हैं। आजादी के बाद भी देश की एकता और अखंडता के लिए उनकी कोशिशें भुलाई नहीं जा सकती।

हम हमेशा कहते आए हैं कि देशभक्ति का संबंध दिल की सच्चाई और अमल से है, न कि नारेबाजी से।

मौलाना मदनी ने वंदे मातरम् के बारे में कहा कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड साफ तौर पर बताता है कि 26 अक्टूबर 1937 को रवींद्रनाथ टैगोर ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को एक पत्र लिखकर सलाह दी थी कि वंदे मातरम् के केवल पहले दो बंदों को ही रा द्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया जाए, क्योंकि बाकी के बंद एकेश्वरवादी धर्मों के विश्वास के विरुद्ध हैं।

इसी आधार पर 29 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने यह फैसला किया था कि केवल दो बंदों को ही गीत के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इसलिए आज टैगोर के नाम का गलत इस्तेमाल करके पूरे गीत को जबरन गवाने की कोशिश करना न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों को नकारने की कोशिश है,

बल्कि देश की एकता की भावना का भी अपमान है।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग इस मुद्दे को देश के बंटवारे से जोड़ते हैं, जबकि टैगोर की सलाह रा द्रीय एकता के लिए थी।

मौलाना मदनी ने जोर देते हुए कहा कि वंदे मातरम् से जुड़ी बहस धार्मिक आस्थाओं के सम्मान और संवैधानिक अधिकारों के दायरे में होनी चाहिए, न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के रूप में।

जमीयत उलमा-ए-हिंद सभी रा द्रीय नेताओं से अपील करती है कि वे ऐसे संवेदनशील धार्मिक और ऐतिहासिक मुद्दों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल न करें, बल्कि देश में आपसी सम्मान, सहि गुता और एकता

को बढ़ावा देने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाएं।

"वंदे मातरम्" बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास "आनंद मठ" से लिया गया एक अंश है। इसकी कई पंक्तियाँ इस्लाम के धार्मिक सिद्धांतों के खिलाफ हैं, इसलिए मुसलमान इस गीत को गाने से परहेज करते हैं।

"वंदे मातरम्" का पूरा अर्थ है

"माँ, मैं तेरी पूजा करता हूँ।"

यह शब्द स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि यह गीत हिंदू देवी दुर्गा की प्रशंसा में लिखा गया था, न कि भारत माता के लिए। इस्लाम एकेश्वरवाद पर आधारित धर्म है, जो एक ऐसे ईश्वर की पूजा करता है जिसका कोई साझीदार नहीं है। किसी देश या माँ की पूजा करना इस

सिद्धांत के खिलाफ है।

वंदे मातरम् गीत माँ के सामने झुकने और उसकी पूजा करने की बात करता है, जबकि इस्लाम अल्लाह के अलावा किसी के सामने झुकने और पूजा करने की अनुमति नहीं देता। हम एक ईश्वर को मानने वाले हैं, हम उसके अलावा किसी को भी न अपना पूज्य मानते हैं और न ही किसी के सामने सजदा करते हैं। इसलिए हम इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं कर सकते। मर जाना स्वीकार है, लेकिन शिर्क (अल्लाह के साथ किसी साझी) स्वीकार नहीं है। मरेंगे तो इस्लाम पर और जिएँगे तो इस्लाम पर, इंशा अल्लाह।

मौलाना मदनी ने सवाल उठाया कि क्या देश में इतने विवादित मुद्दों के अलावा कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर संसद में बहस हो, जो देश और जनता के हित में हो? उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक और वित्तीय स्थिति से संबंधित जो रिपोर्टें सामने आ रही हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। अगर इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो देश एक बड़े आर्थिक संकट का शिकार हो सकता है।

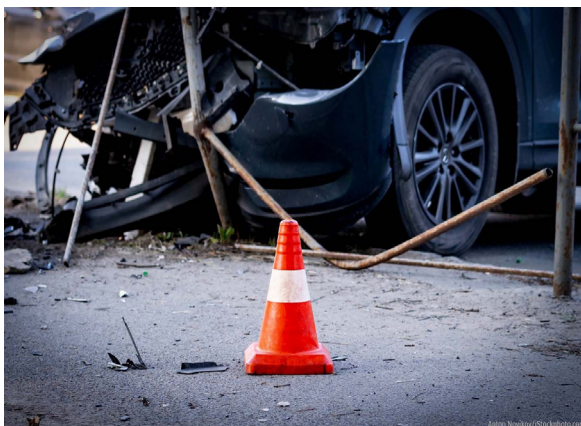
लेकिन दुर्भाग्य से इस पर कोई चर्चा नहीं होती, क्योंकि इस तरह की बहसों से वोट नहीं मिलते और न ही समाज को धार्मिक आधार पर बांटा जा सकता। आजकल चुनाव जीतने का यह एक आजमाया हुआ तरीका बन गया है

## दिल्ली NCR में कोहरे का कहर, एक्सप्रेसवे पर टकराई एक दर्जन गाड़ियां

नई दिल्ली : दिल्ली के थाना दादरी क्षेत्रांतर्गत ईस्टर्नपेरिफेरल एक्सप्रेस-वेपर घने कोहरे के कारण दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाएं घटित हुईं। इसमें चक्रसेनपुर फ्लाईओवर पर तीन गाड़ी और समाधीपुर फ्लाईओवर पर लगभग एक दर्जन गाड़ियां आपस में टकरा गई हैं।

घटना की सूचना पर तुरंत पुलिस को मौके पर पहुंचकर सभी क्षतिग्रस्त गाड़ियों को सड़क से हटवाकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया है। दुर्घटनाओं में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। यातायात सामान्य रूप से संचालित है।

येहादसेकुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेसवेपर हुए, जो हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्यों से होकर गुजरगु ने वाला 135 किलोमीटर लंबा, छह लेन चौड़ा



एक्सप्रेसवेहै। सामने आए दुर्घटनास्थल के वीडियो में एक सफेद कार डिवाइडर पर चढ़ी हुई दिखाई दे

रही है, जिसका बोनट बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। उसके बगल में एक ट्रक खड़ा है।

सुबह करीब 8 से 8:15 बजेके बीच दोनों हादसे से हुए हैं। हालांकि कोई गंभीर घायल नहीं है। हलकी-फुलकी चोट आई थी। इसके बाद वह खुद चले गए। अभी पुलिस से भी किसी ने कोई शिकायत नहीं की है। गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। हाईवेपर करीब दो घंटे तक जाम की स्थिति रही और लंबा जाम लग रहा। हादसेपर गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) पुलिस आयुक्त कार्यालय ने कहा कि पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है और जांच जारी है। पुलिस आयुक्त कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इस मामलेमें, पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।



# एमएसएमई को समर्थन देने के लिए बीआईएस द्वारा वार्षिक न्यूनतम अंकन शुल्क में विधीय प्रोत्साहन प्रदान किया गया

नई दिल्ली: भारत सरकार भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के माध्यम से एमएसएमई के लिए छूटछूट के साथ संबंधित मंत्रालयों द्वारा चरण-वार, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) को लागू करती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) घरेलू उत्पादन को बाधित न करें। कुछ प्रमुख छूट और रियायतें इस प्रकार हैं:

सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए अतिरिक्त समय: सूक्ष्म उद्यमों के लिए 6 महीने का विस्तार और लघु उद्यमों के लिए 3 महीने का विस्तार।

निर्यातोनमुखी उत्पादों के उत्पादन के लिए घरेलू निर्माताओं द्वारा आयात पर छूट।

अनुसंधान एवं विकास उद्देश्यों के लिए 200 इकाइयों तक के आयात पर छूट।

लागू होने की तारीख से छह महीने के भीतर पुराने स्टॉक (कार्यान्वयन से पहले निर्मित या आयातित) को निपटाने का प्रावधान।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सूचित किया है कि प्रमाणन प्रक्रियाओं पर प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर, बीआईएस ने एमएसएमई क्षेत्र के लिए निम्नलिखित वित्तीय और तकनीकी छूट लागू की हैं:

सूक्ष्मलघु और मध्यम उद्यम



(एमएसएमई) को सहयोग देने के लिए, बीआईएस द्वारा वार्षिक न्यूनतम विपणन शुल्क में वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं, जिसमें सूक्ष्म उद्यमों के लिए 80 प्रतिशत, लघु उद्यमों के लिए 50 प्रतिशत और मध्यम उद्यमों के लिए 20 प्रतिशत की छूट दी जाती है। इसके अतिरिक्त, उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में स्थित उद्यमों या महिला उद्यमियों द्वारा संचालित एमएसएमई इकाइयों को 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट भी प्रदान की जाती है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों के लिए आंतरिक प्रयोगशाला बनाए रखने की अनिवार्यता को वैकल्पिक कर दिया गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयां बीआईएस द्वारा मान्यता प्राप्त बाहरी प्रयोगशालाओं, एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं

की सेवाएं ले सकती हैं या क्लस्टर आधारित प्रयोगशालाओं या अन्य विनिर्माण इकाइयों की प्रयोगशालाओं जैसे संसाधनों को साझा कर सकती हैं। निरीक्षण एवं परीक्षण योजना (एसआईटी) में 'नियंत्रण स्तर' को केवल अनुशंसात्मक बनाया गया है। निर्माता के पास अपनी नियंत्रण इकाईध्वैचलॉट और अपने नियंत्रण स्तर निर्धारित करने और बीआईएस को सूचित करने का विकल्प है।

बीआईएस ने उत्पाद प्रमाणिकरण प्रक्रिया संबंधी दिशानिर्देश भी बीआईएस वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दिए हैं। बीआईएस विभिन्न भारतीय मानकों के अनुरूपता मूल्यांकन हेतु मार्गदर्शन दस्तावेजों के रूप में उत्पाद-वार नियमावली भी जारी कर रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी

गई जानकारी के अनुसार, मौद्रिक नीति के संचरण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, बैंकों को एमएसएमई को दिए जाने वाले ऋणों को बाहरी बेंचमार्क से जोड़ने की सलाह दी गई है। बाहरी बेंचमार्क प्रणाली के तहत ऋणों के लिए रीसेट क्लॉज को घटाकर तीन महीने कर दिया गया है। इसके अलावा, मौजूदा उधारकर्ताओं को बाहरी बेंचमार्क-आधारित ब्याज व्यवस्था का लाभ उपलब्ध कराने के लिए, बैंकों को आपसी सहमति के अनुसार स्विचओवर विकल्प प्रदान करने की सलाह दी गई है। साथ ही, आरबीआई ने एमएसएमई क्षेत्र में ऋण प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए कई अन्य उपाय भी किए हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं: सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए पारस्परिक ऋण गारंटी योजना (एमसीजीएस-एमएसएमई) की

है। यह सरकारी पहल एमएसएमई को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए ऋण प्राप्त करने में सहायता करने के लिए बनाई गई है। यह योजना ऋण गारंटी प्रदान करती है, जिससे एमएसएमई के लिए ऋण प्राप्त करना आसान हो जाता है, विशेष रूप से आवश्यक उपकरण और मशीनरी की खरीद के लिए। यह योजना एमएसएमई को उपकरणधमशीनरी की खरीद से संबंधित परियोजनाओं के लिए 100 करोड़ रुपये तक के सावधि ऋणों के लिए ऋणदाताओं (अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान, गैर-वित्तीय वित्तीय संस्थान) को ऋण गारंटी प्रदान करती है।

प्राथमिकता क्षेत्र संबंधी दिशा-निर्देशों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को ऋण देने के लिए विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को एमएसई क्षेत्र की इकाइयों को दिए गए 10 लाख रुपये तक के ऋण के मामले में संपार्श्विक सुरक्षा स्वीकार न करने का आदेश दिया गया है। एमएसई इकाइयों की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं की गणना 5 करोड़ रुपये तक की उधार सीमा के लिए अनुमानित वार्षिक कारोबार के न्यूनतम 20 प्रतिशत के बराबर होनी चाहिए। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (सुश्री शोभा करंदलाजे) ने यह जानकारी लोकसभा में लिखित उत्तर में

## दिल्ली सरकार ने श्रमिकों और कामकाजी वर्ग को राहत देने के लिए लिए अहम फैसले: रेखा गुप्ता

दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज जानकारी दी है कि दिल्ली सरकार ने श्रमिकों और कामकाजी वर्ग को राहत देने के उद्देश्य से कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लागू किए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञापित के अनुसार राजधानी में दुकानों और प्रति ठानों को चौबिसो घंटे खुला रखने की अनुमति भी दी गई है, जिसमें शराब की दुकानों को छोड़कर अन्य सभी प्रति ठान शामिल हैं। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि इस निर्णय से न



केवल व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी

सृजित होंगे। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारियों को राहत देते हुए पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे उन्हें ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस के साथ ईज ऑफ़ लिविंग भी मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि नए श्रम कानूनों में महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी गई है जिससे नियोक्ताओं के लिए सुरक्षा, परिवहन और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य हो गया है।



# UP Offers Major Relief for Waqf Properties: Registration Deadline on Umeed Portal Extended

Lucknow : In a significant decision, the Uttar Pradesh Waqf Tribunal has extended the deadline for registering Waqf properties on the 'Umeed Portal' under the Waqf (Amendment) Act 2025. The new deadline is now June 5, 2026, replacing the earlier deadline of December 5, 2025. The extension was granted as a large number of properties had not yet been recorded on the portal. The Uttar Pradesh Sunni Central Waqf Board had filed a petition seeking an extension, which the tribunal approved, granting the maximum permissible extension of six months. Speaking to ETV Bharat, Sunni Central Waqf Board Chairman Jafar Ahmad Farooqui said that many Waqf properties were neither entered nor approved on the portal due to the sheer volume, prompting the request for additional time. He added that all remaining properties will now be registered under a special drive, and approvals will be



ensured. The tribunal has clarified that this is the final extension allowed under the rules. According to Farooqui, Uttar Pradesh has 1,26,000 Waqf properties, of which only 76,000 had been uploaded to the Umeed Portal, and merely 12,500 had received approval so far. With the new deadline, the pathway for completing registration and approval of all remaining properties is now clear. A special monitoring team has been formed to assist with documentation and portal-related issues, ensuring a smooth registration process. Following the decision, celebrations were reported at the Waqf Board office, where employees exchanged sweets, calling the extension a major relief and a historic opportunity for Waqf properties in the state.

## SUBSCRIPTION FORM


## TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
--	5,000/-	Life

Name :.....  
Address :.....  
.....  
Email:.....  
Contact Phone No.....  
for donation ☐ /life ☐ /10 yrs ☐ /5 yrs ☐ subscription  
The sum of Rupees..... (Rs...../-)  
through cheque/DD No.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :  
Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I,  
Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025  
or email : [timesofpedia@gmail.com](mailto:timesofpedia@gmail.com)

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi  
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch,  
New Delhi-110021  
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700



“First, they ignore you, then they laugh at you, then they fight you and then you win.”  
- Mahatma Gandhi

## ADVERTISEMENT TARIFF

## TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

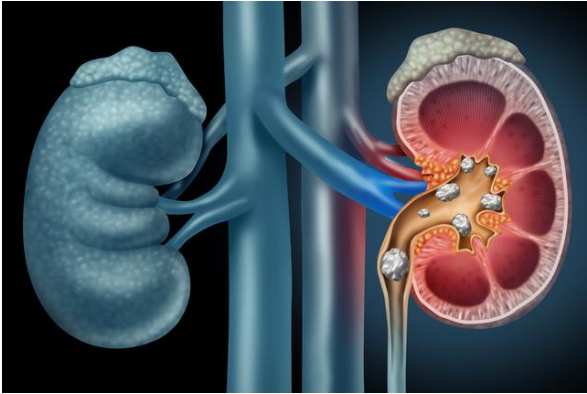
**MECHANICAL DATA:**  
**Language:** English, Hindi and Urdu  
**Printing:** Front and Back - 4 Colours , Inside pages - B&W  
**No. of Pages:** 12 pages (more in future)  
**Price:** Rs. 3/-  
**Print order:** 25,000  
**Periodicity:** Weekly  
**Material details:** Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.  
Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page  
Please Add Rs. 10 for outstation cheques.  
50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

**Bank transactions details of TIMES OF PEDIA**  
Send your subscriptions/memberships/donations etc.  
(Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi  
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch , New Delhi-110021  
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700



# क्या आपको भी है किडनी स्टोन के दोबारा लौटने का डर? 4 आसान तरीकों से करें बचाव

नई दिल्ली। किडनी स्टोन किडनी में कैल्शियम या सोडियम ऑक्सोलेट बनने की वजह से होता है। इसके कारण काफी तेज दर्द का सामना करना पड़ता है। एक समस्या यह भी है कि जिन लोगों को एक बार किडनी स्टोन (ज़पकदमलैजवदम) हो जाए, तो उनमें इसके दोबारा होने का खतरा ज्यादा रहता है। लेकिन चिंता की बात नहीं है, क्योंकि लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके किडनी स्टोन को वापस आने से रोका जा सकता है। आइए जानें किडनी स्टोन को वापस आने से रोकने के लिए आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में क्या-क्या बदलाव (ज़पकदमलैजवदम च्ममअमदजपवद ज्पचे) कर सकते हैं। पानी पीना किडनी स्टोन को वापस आने से रोकने के लिए सबसे जरूरी है। भरपूर मात्रा में पल्पूड लेने से यूरिन पतला होता है और उसमें मिनरल्स व सॉल्ट्स का कॉन्डेंसेशन कम हो जाता है, जो पथरी बनने का मुख्य कारण हैं। दिनभर में कम से कम 2.5 से 3 लीटर पानी पीने का लक्ष्य रखें। गर्मी के मौसम में या ज्यादा पसीना आने पर पानी की मात्रा और बढ़ा दें। अपने यूरिन के रंग पर नजर रखें, यह हल्का पीला या साफ होना चाहिए। पानी के अलावा नींबू पानी, नारियल पानी और



कुछ हर्बल टी भी फायदेमंद हो सकते हैं। ज्यादा नमक खाना किडनी स्टोन के जोखिम को बढ़ाता है। सोडियम शरीर में कैल्शियम की मात्रा को यूरिन में बढ़ा देता है, जिससे कैल्शियम

ऑक्सलेट स्टोन बनने की खतरा ज्यादा रहता है। इसके लिए प्रोसेरुड और पैकेज्ड फूड (जैसे चिप्स, नमकीन, सॉस, इंस्टेंट नूडल्स), अचार, और फास्ट फूड से परहेज करें। खाना बनाते समय कम नमक डालें और हर्ब्स व मसालों से स्वाद बढ़ाएं। रेड मीट, चिकन, मछली और अंडे जैसे एनिमल प्रोटीन सोर्स की ज्यादा मात्रा यूरिन में कैल्शियम और यूरिक एसिड को बढ़ा सकता है। साथ ही साइट्रेट को कम कर सकता है। यह स्थिति पथरी बनने के लिए अनुकूल है। इन्हें पूरी तरह से छोड़ने की जरूरत नहीं है, बल्कि मात्रा पर नियंत्रण रखें। प्रोटीन की जरूरत को पूरा करने के लिए दाल, फलियां, नट्स और डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल करें। खट्टे फल जैसे नींबू, संतरा और अंगूर में प्राकृतिक रूप से साइट्रेट पाया जाता है। साइट्रेट यूरिन में कैल्शियम से बंधकर पथरी बनने से रोकता है। रोजाना ताजा नींबू पानी पीना एक बेहतरीन आदत है। इसके अलावा, फल और सब्जियों से भरपूर डाइट शरीर को पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर देता है, जो पथरी की रोकथाम में सहायक हैं। केला, आलू, पालक, ाकरकंद, ब्रोकली और तरबूज जैसे फूड्स भी काफी फायदेमंद होते हैं।

# वेट लॉस के लिए ब्लैक कॉफी कितनी पिएं?

नई दिल्ली। क्या आप भी अपनी वेट लॉस जर्नी में उस जादुई नुस्खे की तलाश कर रहे हैं जो आपकी मेहनत को सफल बना दे? अक्सर हम सुनते हैं कि ब्लैक कॉफी वजन घटाने में मदद करती है, लेकिन क्या यह सच है? अगर हां, तो क्या वजन घटाने के लिए हमें इसे जितना चाहे उतना पीना चाहिए? इसका जवाब आपको खुश कर देगा। जी हां, ब्लैक कॉफी सिर्फ आपकी नींद ही नहीं उड़ाती, बल्कि यह आपके शरीर में फ़ैट बर्निंग की प्रक्रिया को तेज करने का भी दम रखती है। यह आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकती है और आपको फिट बना सकती है, लेकिन ठहरिये... इसका फायदा तभी मिलेगा जब आप इसे सही तरीके और सही मात्रा में पिएंगे। आइए डायटीशियन तमन्ना दयाल से जानते हैं कि यह साधारण-सी दिखने वाली ड्रिंक आपके शरीर पर कैसे काम करती है। ब्लैक कॉफी में क्लोरोजेनिक एसिड्स पाया जाता है। यह तत्व ग्लूकोज के प्रोडक्शन को कम करता है, जिससे आपके शरीर में फ़ैट बर्न होने की प्रक्रिया यानी चर्बी घटने की रफ़्तार तेज हो जाती है। इसके अलावा, ब्लैक कॉफी हमारे लिवर पर काम करती है। यह एक सीधा नियम है कि जो चीज आपके लिवर को सक्रिय करती है, वह अपने आप आपके मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ा देती है। साथ ही, यह



शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करती है, जिससे वेट लॉस जर्नी को एक जबरदस्त बूस्ट मिलता है। हर किसी के लिए ब्लैक कॉफी पीना सही नहीं होता।

इसे पीने से पहले अपनी बॉडी टाइप को समझना जरूरी है: जिन्हें एसिडिटी है: अगर आपको शरीर में एसिडिटी

की समस्या रहती है, तो आपको ब्लैक कॉफी का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। जिनका शरीर एल्कलाइन है: अगर आपकी बॉडी एल्कलाइन है, तो आप सुबह खाली पेट इसका सेवन कर सकते हैं। इससे आपका एनर्जी लेवल बढ़ेगा और आप इसके बाद वर्कआउट या कोई भी फिजिकल एक्टिविटी बहुत आसानी से कर पाएंगे। ब्लैक कॉफी फायदेमंद है, लेकिन अति हर चीज की बुरी होती है। उम्र का ध्यान: अगर आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा है और आप दिन भर में जल्दी-जल्दी 6-7 कप ब्लैक कॉफी पीते हैं, तो इससे आपका ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है। सही मात्रा: दिन भर में 3 से 4 कप ब्लैक कॉफी पीना काफी है। इतनी मात्रा आपके फ़ैट मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के लिए अच्छी मानी जाती है। कई लोग सोचते हैं कि रात को ब्लैक कॉफी पीने से सोते समय फ़ैट बर्न होगा। लेकिन, ऐसा बिल्कुल नहीं होता। सोने से पहले ब्लैक कॉफी पीने से न तो वजन कम होगा और न ही आपको रात में अच्छी नींद आएगी। इसलिए, इसे सोने से पहले पीने से बचें। सही समय और सही मात्रा में पी गई ब्लैक कॉफी आपके मेटाबॉलिज्म और एनर्जी को बढ़ाकर वजन कम करने में आपकी मदद जरूर कर सकती है।

## तिलक वर्मा ने गौतम गंभीर के प्लान पर कही यह बात, नई रणनीति का किया खुलासा



धर्मशाला, भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में लचीलेपन पर जोर देने वाले टीम प्रबंधन से सहमति जताते हुए शनिवार को कहा कि अधिकांश खिलाड़ी मैच हालात को देखते हुए किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिये तैयार हैं। अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप के मद्देनजर भारत मध्यक्रम में प्रयोग कर रहा है।

तिलक ने कहा कि इस प्रारूप में हालात के अनुकूल ढलना सबसे अहम है। उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रारंभिक बल्लेबाजों को छोड़कर

सभी किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। मैं तीसरे से छठे नंबर तक कहीं भी खेल सकता हूं, जहां टीम को मेरी जरूरत हो। उन्होंने कहा कि हर टीम को लगता है कि कोई फ़ैसला रणनीति की दृष्टि से जरूरी है तो सभी उसके साथ होते हैं। तिलक ने कहा कि ऐसे फ़ैसले हालात को देखकर लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक मैच खराब हो सकता है। अक्षर पटेल ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया। यह हालात पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद धर्मशाला की पिच बल्लेबाजों की मददगार हो सकती

है। उन्होंने कहा कि मैं यहां पहले भारत के लिये अंडर 19 सीरीज खेल चुका हूं। हम विकेट को देख रहे हैं और लगता है कि काफी रन बनेंगे। गाम सात बजे गुरु होने वाले मैच में ओस की भूमिका के लिए टीम मानसिक तौर पर तैयार है। तिलक ने कहा कि टॉस हमारे हाथ में नहीं है। हम ओस की चुनौती का सामना करने के लिये तैयार हैं और हल्की गीली गेंद से अभ्यास किया है। यहां मौसम काफी ठंडा है लेकिन हम शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार हैं। मानसिक रूप से मजबूत लोग हर जगह जीतते हैं।

## वरुण की मिस्ट्री, गेंदबाजों की केमेस्ट्री और अभिषेक का मैजिक धर्मशाला में भारत ने ऐसे साउथ अफ्रीका को रौंदा

भारतीय गेंदबाजी की खास बात ये रही की हर गेंदबाज के खाते में विकेट आया. कप्तान सूर्या ने इस मैच में 6 गेंदबा. जो का इस्तेमाल किया. और हर गेंदबाज ने विकेट निकाल कर दिया. अर्शदीप, हर्षित, वरुण और कुलदीप को 2-2 सफलता मिली. जबकि...

धर्मशाला में भारत-साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए तीसरे टी20 मैच में टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीत हासिल की. इस जीत के साथ ही भारत 5 मैचों की सीरीज में अब 2-1 से आगे है. ये जीत इसलिए भी खास है क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप से पहले अब भारत के पास केवल 7 मैच ही बचे हैं. ऐसे में इस तरह का टीम प्रदर्शन बेहद पॉजिटिव संकेत है. इस मुकाबले में भ. रतीय टीम की एकजुटता देखने को मिली.

इस मैच में मिस्ट्री गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने गानदार प्रदर्शन किया. वरुण ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन खर्च किए और 2 विकेट झटके. साउथ अफ्री. की बल्लेबाजों के पास उनकी फिरकी का कोई जवाब नहीं दिखा. इस मैच में वरुण ने एक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया.



उन्होंने इस मैच में अपने 50 टी20 विकेट पूरे किए. केवल 32 मैच में उन्होंने ये उपलब्धि हासिल की. कुलदीप के बाद वो सबसे तेज 50 विकेट पूरे करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं.

भारतीय गेंदबाजी की खास बात ये रही की हर गेंदबाज के खाते में विकेट आया. कप्तान सूर्या ने इस मैच में 6 गेंदबा. जो का इस्तेमाल किया. और हर गेंदबाज ने विकेट निकाल कर दिया. अर्शदीप, हर्षित, वरुण और कुलदीप को 2-2 सफलता मिली. जबकि शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या के खाते में एक-एक विकेट आए. इस मैच में 118 रनों के जवाब में उतरी भारतीय टीम की तरफ से अभि ठेक र्मा

फिर रंग में दिखे. उन्होंने 18 गेंदों में 35 रन जड़कर ठोस गुरुआत दिलाई. अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाए. लेकिन गिल और सूर्या की बैटिंग सवालों में रही.

गिल के बल्ले से जरूर 28 रन आए लेकिन उसके लिए उन्हें 28 गेंद खेलनी पड़ी. वो लय में नहीं दिखे. जिस तरह से वो आउट हुए उससे साफ है की वो अभी कॉन्फिडेंस में नहीं हैं. वहीं, सूर्या भी जब बैटिंग के लिए आए तो रंग में नहीं दिखे. भारत की जीत तब लगभग पक्की थी. ले. किन सूर्या मैच फिनिश नहीं कर पाए. उन्होंने 11 गेंद में 12 रन बनाए और आउट हो गए. सीरीज का चौथा मैच 17 दिसंबर को लखनऊ में होगा.



# نرم دم گفتگو گرم دم جستجو

عبد العزیز

مسلم اور مومن کا نشان سفر اپنی یادگاریں چھوڑ جاتا ہے۔ مسلم اور وہ بھی محمد مسلم جو دنیا سے قلندرانہ اور مومنانہ زندگی گزار کر رخصت ہوا ہو، جو دوست تو دوست دشمن کو بھی گلے لگاتا ہو، دشمن سے بھی ایسی دوستی کرتا ہو جو دوستی میں بدل جائے، دوستوں کو ایسا دوست اور بھائی سمجھ کر ملتا ہو کہ لوگ بار بار ملنے کی آرزو کریں۔

ایسا ملا کر کہیں لوگ آرزو ایسا رہا کہ وہ زمانہ مثال دے نہ بڑے پن کا کوئی احساس، نہ حسب و نسب کا کوئی خیال، علم و نظر، بحث و نظر اور نہ خبر و نظر کی تحریر پر کوئی غرور اور گھمنڈ، قائدوں کا قائد مگر سادگی اور فقیری ایسی کہ جوتے بھٹے ہوئے، شیر وانی پرانی، ٹوپی نشان زدہ، مگر باتیں ایسی پیشی اور ملائم کہ مومن کی قرآنی صفت کا شاہکار ہو۔

نرم دم گفتگو گرم دم جستجو  
علامہ اقبال نے ایسے ہی جہاں بینوں کیلئے کہا ہے کہ۔  
بابائی سے ہے دشوار تر کار جہاں بیکار بخور خوں ہو تو چشم دل میں ہوتی ہے نظر پیدا!

ہزاروں سال زگس اپنی بے نوری پر روتی ہے بڑی مشکل سے ہوتا ہے چمن میں دیدہ ور پیدا!  
اسی نظر کی دین کہنے جو دعوت کے خبر و نظر میں نظر آتا تھا وہ سوز و گداز، وہ شبنم جس سے جگر لالہ میں ٹھنڈک مگر معرکہ حق و باطل ہو تو وہ طوفان جس سے دریاؤں کے دل دہل جائیں۔

مسز اندرا گاندھی کا زمانہ ہے، لاکھوں پناہ گزینوں کا قافلہ مشرقی پاکستان چھوڑ کر ہندستان کی سرحد میں داخل ہو گیا ہے۔ اردو اخبارات کے ۱۵۰ ایڈیٹروں کو پناہ گزینوں کا حال زار دیکھنے کیلئے وزیر اعظم مسز اندرا گاندھی روانہ کرنے والی ہیں۔ اپنی تقریر کے بعد جرأت مردانہ کا ثبوت دیتے ہوئے پوچھا کہ کوئی ہے جو کچھ کہنا چاہتا ہے۔ یہی مرد قلندر جسے دنیا محمد مسلم کے نام سے جانتی ہے اپنی کرسی سے اٹھا اور نہایت بیباکی سے مگرمومنانہ انداز میں لب کشائی کی:

”جی ہاں میں کچھ کہنا چاہتا ہوں۔“

”کہئے۔“ مسز گاندھی نے حوصلہ افزائی کی۔  
”میں دونوں ملکوں کے حق میں کہنا چاہتا ہوں کہ ایک دوسرے کی دشمنی کسی فریق کو اس نہیں آئے گی، جو مزادوستی میں ہے وہ دشمنی میں نہیں کیوں نہ ہم دشمنی کے بجائے دوستی کیلئے ہاتھ بڑھائیں، یہی تمنا اور آرزو ہمارے پرھوں کی تھی وہ جانتے تھے کہ پاکستان کی شکست و ریخت سے ہندستان کو کوئی فائدہ نہیں ہوگا بلکہ نقصان ہوگا۔“

مسز گاندھی کی توقع کے خلاف یہ آواز بلند ہوئی مگر ابھی وہ کچھ کہنا چاہتی تھیں کہ سنگم کے ایڈیٹر غلام سرور نے صاحب خبر و نظر کی بر ملا تنبیہ کی اور مسز گاندھی سے کہا:

”یہ حق و صداقت کی آواز ہے اس پر ملک کے حکمرانوں کو غور کرنا چاہئے۔“

باقی مدبران اردو کے منہ میں تالا لگا ہوا تھا۔ شمیم احمد شمیم مدیر آئینہ کشمیر نے مرد قلندر کو کلکتہ میں سمجھانے کی کوشش کرتے ہوئے کہا کہ ”مولانا! آپ لوگ قومی دھارے کو نظر

انداز کرتے ہیں۔ آج پورے ملک کی رائے کچھ اور ہے اور آپ ایک دو کی رابیوں سے ملک کا کیا بتا بگڑتا ہے؟ ذرا سوچئے۔“  
جواب میں مرد قلندر نے کہا: ”ہم لوگ ایسے درخت کے پتوں کی طرح نہیں ہیں جو اپنی ڈالی سے ٹوٹ گیا ہو اور اپنے آپ کو سرد گرم ہواؤں کے سپرد کر دیا ہو، ہم اپنی جڑوں سے پیوستہ ہیں۔“

شمیم صاحب کی آواز بند ہو گئی وہ بغلیں جھانکنے لگے۔ پھر شمیم صاحب کی آنکھیں ملانے کی جرأت نہیں ہوئی۔

اس بندہ خدا نے تحریک خاکسار سے اپنی سماجی زندگی کا آغاز کیا، پھر اتحاد ملت اور تحریک اسلامی کی راہ پر سوچ سمجھ کر گامزن ہو گیا اور زندگی بھر اپنے وعدے کو دل و جان سے پورا کرتا رہا اور جاتے جاتے اپنے ایسے نقش پا کو چھوڑ گیا کہ جو انٹ ہے۔ آج بھی لوگ اس راستہ کے مسافر ہیں مگر اس قافلہ حجاز میں وہ مسلم نہیں جسے محمد مسلم کہا جاتا ہے۔ مسلم مجلس مشاورت کے روح رواں 9:8 اگست 1964ء کو ایک کل ہند مسلم مشاورتی اجتماع جو دارالعلوم ندوۃ العلماء لکھنؤ میں منعقد ہوا اور جس میں مسلم مجلس مشاورت کی بنیاد پڑی اور جس کی وجہ سے ملک بھر میں مسلمانوں کے اندر ایک نیا حوصلہ اور ولولہ پیدا ہوا اور مسلمانوں کی مابوسی، محکومی، مظلومی، مجبوری اور بے کسی کی آئی اور اس مجلس کے وجود سے مسلم جماعتوں میں بھی ایک نئی بیداری پیدا ہوئی وہ نئی بیداری تھی کہ مسلمانوں کو اپنی اخلاقی قوت کے ساتھ خیر امت کی حیثیت سے ابھرنے چاہئے اور کلیدی کردار ادا کرنا چاہئے۔ بعد میں مسلم مجلس کا بھی وجود عمل میں آیا جو مشاورت کے ذریعے ہی پروان چڑھی۔ مسلم مجلس مشاورت کے ارکان کی کوششوں اور ان کے حوصلوں سے ہی ایک نئی جماعت مسلم پرسنل لاء بورڈ کے نام سے تشکیل پائی۔ جو آج تک سرگرم عمل ہے۔ شریعت کے تحفظ اور مسلمانوں کے دیگر مسائل مثلاً باری مسجد وغیرہ کیلئے بورڈ کی جو کارکردگی ہے وہ قابل قدر اور قابل تحسین ہے۔ مسلم مجلس مشاورت اپنے وجود سے مسلمانوں کو آج تک جو حوصلہ افزائی کر رہی ہے اس کی بنیاد ڈالنے میں جس شخصیت کا مرکزی کردار ہے اس شخصیت کا نام محمد مسلم ہے۔ یہ بات بہت کم لوگوں کو معلوم ہے کہ مسلمانوں کے بڑے سے بڑے لیڈروں کو سر جوڑ کر بیٹھنے میں کس شخصیت نے ایسے وقت میں کام کیا جب مسلمان بہت پست حوصلہ اور مابوس تھے اور یہ بھی بہت کم لوگوں کو معلوم ہے کہ جب مسلمان لیڈروں کے مابین اختلافات میں شدت پیدا ہو جاتی تھی وہ کوئی شخصیت تھی جو ان کی شدت کو کم کرنے کی حتی الامکان کوشش کرتی اور ایک نقطے پر متحد اور متفق کرنے میں کامیاب ہوتی۔ وہ یہی صاحب دعوت و صاحب خبر و نظر ہوتے تھے۔ مسلم پرسنل لاء بورڈ اور آل انڈیا اردو ایڈیٹرس کانفرنس میں بھی مسلم صاحب ایک دوسرے کو ملانے، متحد کرنے اور دلوں کا جوڑنے کا کردار ادا کیا کرتے تھے۔ جماعت اسلامی ہند: مولانا مسلم صاحب جماعت اسلامی کے کسی عہدے یا منصب پر فائز نہیں تھے، مرکزی

مجلس شوریٰ اور مجلس نمائندگان کے رکن تھے، مجلس شوریٰ جماعت کی فیصلہ کرنے والی باڈی ہے جبکہ مجلس نمائندگان انتخابی باڈی (Electrol Body) ہے۔ مولانا مسلم صاحب دونوں مجلسوں میں اہم کردار ادا کیا کرتے تھے۔ انتخابی سیاست کے موضوع پر جماعت کے اندر اور باہر کشمکش پائی جاتی تھی مسلم صاحب انتخابی سیاست کے حامی اور مؤید تھے۔ لیکن جو لوگ انتخابی سیاست کو پسند نہیں کرتے تھے ان سے ان کے روابط میں کبھی بھی کوئی فرق پیدا نہیں ہوا۔ مولانا انعام الرحمن صاحب بھوپال کے تھے اور مسلم صاحب بھی بھوپال سے تعلق رکھتے تھے۔ دونوں انتخابی سیاست کے بارے میں بالکل مختلف رائے رکھتے تھے لیکن دونوں کے دوستی اور تعلق میں کبھی بھی کوئی فرق نہیں آیا۔ دونوں ایک دوسرے کی بڑی قدر منزلت کی نگاہ سے دیکھتے تھے۔ مسلم صاحب کی یہی مومنانہ اور حسیانہ صفت تھی کہ اپنے مخالفوں کا دل جیت لیتے تھے اور اپنے دلائل سے قائل کرنے میں کامیاب ہو جاتے تھے۔ بہت سارے ذہین لوگ جو جماعت کے اندر انتخابی سیاست سے چڑھتے اور دور رہتے تھے ان کو مسلم صاحب اپنی نگہ بندی، سخن دل نوازی اور جان پر سوزی سے بدلنے میں کامیاب ہو جاتے تھے۔ جماعت کے اندر مسلم صاحب سیاسی شعور پیدا کرنے میں سب سے آگے کی صفوں میں تھے بلکہ یہ کہنا چاہئے کہ امام تھے اور اپنی زندگی میں ہی وہ فیصلہ کرالین چاہتے تھے کہ جماعت سلطنت کے میدان میں دخیل اور قوت پذیر ہو اس میں تو اپنی زندگی میں کامیاب ہو گئے تھے کہ جماعت اسلامی ہندستان کے تقریباً سو منتخب بچائیوں میں حصہ لے۔ جماعت کے اندر ووٹ دینے کی جو پابندی تھی اسے ختم کرنے میں بھی ان کو کامیابی حاصل ہوئی تھی لیکن ایک سیاسی جماعت کو قائم کرنے میں پیش قدمی (Initiative) کرے اور اس کی حمایت اور تائید کا اعلان کرے یہ چیز ان کی زندگی میں نہیں ہوئی لیکن سابق امیر جماعت ڈاکٹر عبد الحق مرحوم نے اپنی امارت میں مسلم صاحب کا یہ خواب شرمندہ تعبیر کرنے میں ساری کوششیں اور صلاحیتیں جھونک دیں جو ان کی امارت کے بعد مولانا جلال الدین عمری صاحب نے اپنی قیادت اور امارت میں جس طرح اس مسئلے کو سلجھایا اور سب کو ساتھ لیکر دور رس ایک سیاسی فیصلہ کرایا وہ تحریک اسلامی ہند کی تاریخ کا ایک سہرا باب کہا جائیگا۔ مولانا مسلم صاحب اپنی زندگی کے آخری دنوں میں یہ کہا کرتے تھے کہ Changer and no changer کو اختلاف رکھتے ہوئے ایک دوسرے کو تجربہ کرنے کا اور کام کرنے کا موقع دینا چاہئے۔ غالباً اسی روشنی میں جماعت نے ملت، ملک اور تحریک کے مفاد میں فیصلہ کیا ہے۔ دوسری چیز جو مولانا محمد مسلم صاحب سوچتے تھے وہ یہ تھی کہ جماعت خدمت خلق اور مرحمت و مواسات کا ایک ہمہ گیر پروگرام اور منصوبہ بنائے اور مسلمانوں کی تمام جماعتوں میں خدمت خلق کی اسپرٹ پیدا کرے۔ مولانا مسلم صاحب کے زمانے میں جماعت کا شعبہ خدمت خلق تھا لیکن خدمت خلق کا منظم کوئی پروگرام اور منصوبہ نہیں

ہو پاتا تھا۔ ڈاکٹر عبد الحق انصاری صاحب نے اپنے زمانے میں ”ویژن 16“ کے نام سے خدمت خلق کا ایک ہمہ گیر پروگرام اور منصوبہ بنایا۔ اس وقت پورے ملک میں صدیق حسن صاحب جو اس ویژن کے روح رواں ہیں اور جن کو ڈاکٹر صاحب اپنی زندگی میں مرکز لائے تھے، بیماری اور کمزوری کے باوجود سرگرم عمل ہیں اور جو پورے ملک میں بڑے پیمانے پر جاری اور ساری ہے جس کے دور رس اثرات مرتب ہو رہے ہیں۔ یہ کہنا غلط نہ ہوگا کہ یہ خاکہ بھی مسلم صاحب کا پیش کیا ہوا تھا جس میں ان کی زندگی کے بعد جماعت نے رنگ بھرا۔ مسلم صاحب اپنے انہی کاموں اور کارناموں کی وجہ سے تحریک اسلامی اور ملت میں زندہ جاوید رہیں گے۔

فقیرانہ زندگی: مسلم صاحب نہ خود نمائی کا جذبہ رکھتے تھے اور نہ خود پرستی کی کوئی رزق ان کی شخصیت میں پائی جاتی تھی۔ وہ فقیرانہ لباس کے ساتھ فقیرانہ زندگی گزارتے تھے۔ مسلم صاحب سے راقم کا دیرینہ تعلق تھا وہ جب کلکتہ آتے تو میرے غربت میں بھی تشریف لاتے۔ ایک مرتبہ کا واقعہ ہے کہ جب وہ مولوی لین کے میرے مکان میں تشریف لائے تو میرے دو بیٹے فاروق اور صدیق جو بہت چھوٹے چھوٹے تھے۔ غالباً ایک عمر ۵ کی اور دوسرے کی ۸ کی رہی ہوگی۔ جب دونوں کو ڈنڈوں سے کھینچتے ہوئے دیکھا تو انہیں بڑی خوشی اور مسرت ہوئی۔ فوراً کہا کہ بچے ہوتے تو ایسے ہوں جو بہادر ہوں اور حوصلہ مند ہوں۔ مسلم صاحب نے دونوں بچوں کو اپنی دعاؤں سے نوازا۔ 1972ء میں مسلم صاحب اور مولانا محمد یوسف صاحب ایک خاص منصوبے کے ساتھ کلکتہ تشریف لائے۔ دونوں حضرات تقریباً ۱۵ روز کلکتہ میں مقیم رہے۔ دونوں حضرات کا مشن تھا ملت کی طرف سے بنگلہ زبان میں ایک ہفتہ وار اخبار نکالا جائے اور بنگلہ زبان میں ترجمہ اور تالیف کیلئے ایک ٹرسٹ قائم کیا جائے دونوں کی رات دن کی کوششوں سے ہفتہ وار میزان کا اجراء عمل میں آیا اور اسلامی بنگلہ پرکاشی ٹرسٹ قائم کیا گیا جس سے ترجمہ اور تالیف کا کام شروع ہوا۔ اسی موقع پر راقم نے ہفتہ وار تحریک ملت کا اقبال نمبر نکالنے کا فیصلہ کیا تھا۔ مسلم صاحب سے جب میں نے گزارش کی کہ علامہ اقبال پر اپنے خیالات راقم کو لکھوادیں تو مسلم صاحب فوراً تیار ہو گئے اور قلم لے کر لکھنے بیٹھ گئے۔ مرد مومن کی تلاش: ”اقبال کو جس مرد مومن کی تلاش تھی اس کی ضرورت واہمیت برابر بڑھتی چلی جاتی ہے۔ ضرورت اب ان کے اشعار کو پڑھنے اور ان پر سر دھننے سے زیادہ اس کی ہے کہ خودی سے آشفہ مردان کا ہر ہر ملک اور ہر ہر شہر اور ہستی میں پیدا ہوں اور اپنی بصیرت و ہمت سے زمانے کی باگ ڈور اپنے ہاتھ میں لیں۔ زمانہ اگرچہ کچھ گروہوں کو پامال کرتا رہتا ہے تو اسی کے ساتھ وہ کچھ گروہوں کے اشارے پر حرکت کرنے کے لئے بھی آمادہ رہتا ہے اقبال کا حقیقی اور مطلوبہ مرد مومن وہی ہے جو زمانے کے بے چین اور متحرک گھوڑے کی پیچھے پر ساری کرے نہ کہ اپنے آپ کو نیکی کے عالم میں اس کے ٹاپوں کے آگے روندے جانے کے لئے ڈال دے۔“

## انڈیگو... یعنی لاپرواہی، بے رخی اور ٹوٹا بھروسہ

موقع کا فائدہ اٹھا کر دیگر ایئر لائنز کے ٹکٹوں کی قیمتیں آسمان کو چھونے لگیں، لیکن حکومت نے فوری مداخلت ضروری نہیں سمجھی۔ 6 دسمبر کو آنکھ کھلی، تب شہری ہوا بازی کی وزارت اور ڈائریکٹوریٹ جزل آف سول ایوی ایشن (ڈی جی سی اے) کو کرایوں کی حد مقرر کرنے کی سوچی۔ راجیہ سبھا رکن جان بریٹاس نے یہ مسئلہ اٹھایا کہ حکومت تو ہمیشہ یہی دعویٰ کرتی رہی ہے کہ مداخلت کی ضرورت نہیں ہے۔ یہاں کوئی غیر منصفانہ قیمت طے نہیں ہو رہی، ہوائی کرایہ طلب پر مبنی ہے اور کوئی کارٹیل کام نہیں کر رہا۔ تو کیا حکومت کسی مجبوری میں یہ دعویٰ کرتے ہوئے جھوٹ بول رہی تھی؟ حالات بگڑنے کے بعد ڈمیج کنٹرول میں لگے ڈی جی سی اے نے آخر کار 9 دسمبر کو انڈیگو کو روزانہ کی پروازوں میں 10 فیصد کمی کا حکم دیا، اس کے بورڈ کو وجہ بتاؤ نوٹس جاری کرتے ہوئے انڈیگو کے دفاتر اور ہوائی اڈوں پر افسران کی تعیناتی بھی کی۔



کے مسافر بھونیشور میں پھنس گئے۔ ایسا ہی نظارہ ہر طرف دیکھنے کو مل رہا تھا۔ ایک طرف بے بسی کی یہ حالت تھی، دوسری طرف

کو جہاز میں ہی انتظار کرنا پڑا کیونکہ پائلٹ کو پارکنگ کی جگہ نہیں مل رہی تھی۔ سیدھی پرواز منسوخ ہونے سے پٹنہ۔ دہلی پرواز

انڈیگو مسافر طیاروں کی پروازوں کی بڑی تعداد میں منسوخ نے ایک ہی جھٹکے میں جس طرح کا خوفناک سچ گزشتہ دنوں سامنے لایا ہے، اس کا اندازہ پہلے سے ہی تھا۔ خطرے کی گھنٹی تو نومبر کے آغاز میں ہی سن لی جانی چاہیے تھی، جب اوسطاً منسوخ ہونے والی اس کی پروازوں کی تعداد روزانہ تقریباً 14 سے بڑھ کر 40 تک پہنچ چکی تھی۔ یہ منسوخیاں تب تک بڑھتی رہیں، جب تک نظام پوری طرح درہم برہم نہیں ہو گیا اور بالآخر دسمبر میں ایک ہی دن میں ایک ہزار سے زیادہ پروازیں منسوخ ہو گئیں۔ حالات ایسے پیدا ہو گئے کہ ہزاروں مسافر مختلف ہوائی اڈوں پر پھنسے رہ گئے، جنہیں یہ بتانے والا کوئی نہیں تھا کہ وہ کب پرواز کر پائیں گے۔ کتنے ہی لوگوں کے نوکری کے انٹرویوز، شادیاں، آخری رسومات، اسپتال میں علاج کے طے شدہ شیڈول اور بین الاقوامی پروازیں چھوٹ گئیں۔ غیر ملکی شہری واپسی کے لیے پھنس گئے۔ پونے میں لینڈ کرنے کے بعد لوگوں



# AIMPLB delegation meets Union Minister of Minority Affairs



New Delhi: A representative delegation of the All India Muslim Personal Law Board met today with the Union Minister for Minority Affairs, Shri Kiren Rijiju. The delegation also presented a memorandum containing several demands.

In the meeting, the delegation explained in detail the difficulties and technical issues encountered while uploading registered waqf properties on the UMEED Portal, due to which lakhs of properties could not be registered.

The delegation pointed out that the responsibility of uploading properties already registered with the Waqf Boards should have rested with the Waqf Boards themselves, and at least two years should have been given for this task.

Therefore, we request that the deadline for uploading the properties that remain unregistered be extended by at least one year.

The delegation informed the Minister that amendments to the Waqf Act/ UMEED Act and the mandatory requirement to upload details on the UMEED Portal under Section 3B have placed the entire Muslim community under severe

pressure and hardship. Firstly, the six-month time limit prescribed for uploading all registered waqf properties was extremely short.

Secondly, many technical problems and glitches were faced while uploading details on the portal. Therefore, uploading all properties became extremely difficult and practically impossible. Consequently, the Punjab Waqf Board, Madhya Pradesh Waqf Board, Gujarat Waqf Board, and Rajasthan Waqf Board approached the Tribunal seeking extension of time, and the Tribunal granted these extensions.

This clearly shows that even the Waqf Boards were unable to comply with the six-month timeline and had to request more time. Hence, the delegation requested that, considering the difficulties faced by mutawallis, the deadline for uploading be extended by another year.

The delegation further said that there is also a discrepancy between the time mentioned in the Act and the time calculated from the date on which the portal was launched. Moreover, the UMEED Rules were notified only on 03/07/2025, and it

was on this date that the required procedures and details for uploading were communicated.

It is also important to note that the declaration forms to be submitted by the mutawallis and the Chief Executive Officers of the Waqf Boards were notified for the first time on 03/07/2025 through the UMEED Rules.

Therefore, the date of launching the portal—06/06/2025—cannot be treated as the date of commencement of the Act, as this is not the date specified in the Act.

In view of the above challenges and difficulties, we request that the initial six-month period mentioned in the Act be extended by at least one more year, after which, if required, applicants may approach the Tribunal for further extension.

The delegation added that all of us are sincerely and diligently trying to complete the uploading process on the portal, and we firmly believe that if a one-year extension is granted for the initial period, there will be no need for anyone to approach the Tribunal again for further extension, except in extraordinary cir-

cumstances.

Lastly, we consider it appropriate to remind that the Waqf Act/UMEED Act, 1995, and its Section 113 empower the Central Government to issue orders to remove difficulties that may arise in implementing the provisions of the Act.

The Minister listened to the delegation with great seriousness and attention and assured them that he would very soon find solutions to these issues and difficulties.

The delegation included:

Vice President of the Board, Mr. Syed Sadatullah Husaini; General Secretary Maulana Mohammed Fazlur Rahim Mujaddidi; Executive Member and Member of Parliament Barrister Asaduddin Owaisi; Mr. Mohammad Adeeb (former MP); General Secretary of Jamiat Ulama-e-Hind Maulana Muhammad Hakimuddin Qasmi; General Secretary of Jamiat Ulama-e-Hind (Delhi) Mufti Abdur Raziq; Board Members Mr. Fuzail Ahmad Ayyubi Advocate, Mr. Hakeem Muhammad Tahir Advocate and Ms. Nabila Jamil Advocate.

## AAPU Holds 5th General Council Meeting at Marwah Studios Film city Noida

The meeting of the GC Members was convened primarily to deliberate on the forthcoming International Conference titled “Sustainable Development and Peace among Asia Pacific Countries (APC), with a Focus on Media, Art & Culture, Climate Change, and Health.”

In addition to the GC Members in New Delhi, the heads of the Chapters in Sydney (Australia), Dubai (UAE), and Chennai (South India), along with Dr. Tanim Banerjee, Founder & Director of Bandana Cultural School, Sydney, participated in the discussions. The members collectively arrived at a considered decision regarding the central theme of the Conference. Recognising the importance and contemporary relevance of the Conference particularly its focus on sustainable development across the APC members agreed to invite a Union Minister as the Chief Guest, along with several Ambassadors/High Commissioners from APC nations. Senior bureaucrats and leading industrialists will also be invited to share their insights on the pressing issues of development and peace.



Opening the deliberations, Shri J. S. Saluja, President of AAPU, referred to the key recommendations of the International Conference held in Dubai (UAE) on 27 February 2025. It was unanimously resolved that for the sustainable development of APC nations, regional unity is indispensable. Countries must share their experience, expertise, knowledge, and resources to

identify the most effective pathways for development rather than depending on financial or technological assistance from developed nations. In essence: “Unite for development or perish.”

Dr. Sandeep Marwah of Marwah Studios strongly emphasised that Art, Culture, and Media can play a pivotal role in bringing APC countries togeth-

er on a common platform to advance the mission of sustainable development. Wing Commander (Dr.) Praful Bakshi highlighted that sustainable development can be achieved only when peace and security are firmly ensured across the region. The International Conference is scheduled for 21 February 2026 at the India International Centre.



## ملت اسلامیہ ہند کو مایوسی سے نکالنا علماء کی ذمہ داری ہے: محی الدین شاہ کر

نئی دہلی: (پریس ریلیز) اسلامی معاشرے کی تشکیل میں عقیدہ توحید بنیادی حیثیت رکھتا ہے اور مشرکانہ گیتوں وغیرہ اسلامی مظاہر کی مخالفت اس انداز میں ہونی چاہیے کہ وہ محض رد عمل کے بجائے توحید کی صحیح تفہیم کا ذریعہ بنے۔ یہ بات دہلی میں منعقدہ علماء و ائمہ کے ایک اجتماع میں کہی گئی۔ یہ اجتماع ”اسلامی معاشرہ کی تعمیر میں علماء کا کردار“ کے موضوع پر آنیڈیل ریلیف ٹرسٹ اور مجلس العلماء دہلی کے اشتراک سے مرکز جماعت اسلامی ہند کے کانفرنس ہال میں منعقد ہوا، جس میں تقریباً 100 علماء شریک ہوئے۔ صدارت محی الدین شاہ کر صدر، آنیڈیل ریلیف ٹرسٹ نے کی۔ انہوں نے کہا کہ علماء ملت کے لیے رہنما اور رول ماڈل ہیں اور موجودہ حالات میں امت کو مایوسی سے نکالنا ان کی اہم ذمہ داری ہے۔ آنیڈیل ریلیف ٹرسٹ کے جنرل سیکرٹری ڈاکٹر عارف ندوی نے افتتاحی خطاب میں مذاکرے کے مقاصد بیان کیے۔ مذاکرے میں متعدد علمائے کرام نے اتحاد امت، مسلکی اختلافات سے اجتناب، خطہ جمعہ و نکاح کے ذریعے سماجی اصلاح اور فیملی کونسلنگ پر زور دیا۔ ”معاشی استحکام: مواقع اور امکانات“ کے موضوع پر ڈاکٹر محمد اسلم علیگ صدر رافہ چیئر آف کامرس نے خطاب کرتے ہوئے اسلامک فنانس، تجارت اور جدید ٹیکنالوجی سے استفادہ کی ضرورت پر روشنی ڈالی۔ اختتام پر سلیم اللہ خان امیر حلقہ دہلی نے علماء سے جماعت اسلامی دہلی کے مختلف رہنمائی پلیٹ فارمز سے جڑنے کی اپیل کی۔

## آل انڈیا یونانی طبی کانگریس کا 140 واں مفت یونانی میڈیکل کیمپ دھن پوری میں لگایا گیا کیمپ میں موسمی بیماریوں اور پولیویشن سے محفوظ رہنے کے طریقے بتائے گئے

چکے چندر پال بیروا، میگھا متھلیش، تحسین علی اساروی، فیروز غازی، گلشن ملک، سنتوش گپتا، آشیش، سندپ گپتا، اعزاز اور نشا خان نے کیمپ کو کامیاب بنانے میں اہم کردار نبھایا۔ صدر جنگ ہسپتال سے آنکھوں کے ڈاکٹروں نے بھی مفت میں آنکھوں کا چیک اپ کیا اور مشوروں سے نوازا۔ اس کے علاوہ آل انڈیا یونانی طبی کانگریس دہلی اسٹیٹ کے نائب صدر ڈاکٹر الطاف احمد، آل انڈیا یونانی طبی کانگریس ہماچل پردیش کے صدر ڈاکٹر الیاس مظہر حسین، حکیم محمد مرتضیٰ دہلوی، حکیم عطاء الرحمن وغیرہ نے خاص طور سے کیمپ میں اعزازی خدمات پیش کیں۔ کیمپ میں بچوں اور خواتین کی تعداد زیادہ تھی۔ اس موقع پر حسب ضرورت مفت میں یونانی دوائیں تقسیم کی گئیں نیز موسمی بیماریوں اور پولیویشن سے محفوظ رہنے کے طریقے بھی بتائے گئے۔



نوجوان لیڈر علیم انصاری کے تعاون سے اہم کردار نبھایا۔ شہید کیمپ، دھن پوری، نئی دہلی میں 140 واں مفت یونانی میڈیکل کیمپ سوشل ایکٹیویسٹ ایڈوکیٹ شاہ جہین قاضی، کاشف رضا، سلمان علی، احساس علی اور معروف سماج وادی لیڈر قاضی عبدالاسط کے تعاون سے لگایا گیا۔ اس موقع پر مقامی لیڈر راجیش چوہان، کونسلر رام سرورپ کونجیا، بھرت رام مال کوئی، امت چوہان، منیش لال، ڈی ڈی نیوز سے وابستہ

(غازی آباد) میں 20 ستمبر 2020 کو لگایا گیا جس کا افتتاح آل انڈیا یونانی طبی کانگریس کے قومی صدر پروفیسر مشتاق احمد نے کیا تھا اور آل انڈیا یونانی طبی کانگریس کے آفس سکرٹری محمد عمران قنوجی نے اپنے رفقا کے تعاون سے کیمپ کو کامیاب بنانے میں اہم کردار نبھایا۔ جبکہ 100 ویں مفت یونانی میڈیکل کیمپ کو کامیاب بنانے میں حکیم آفتاب عالم (مرحوم) نے سابق ایم ایل اے حسن احمد اور

نئی دہلی: آل انڈیا یونانی طبی کانگریس کے سکرٹری جنرل ڈاکٹر سید احمد خاں نے تنظیم ہذا سے وابستہ تمام عہدہ داران اور ممبران کو 140 ویں مفت یونانی میڈیکل کیمپ کے مکمل ہونے پر مبارکباد پیش کی۔ انہوں نے کہا کہ ہم نے پانچ سال میں 100 مفت یونانی میڈیکل کیمپ ’یونانی اپچار‘ جتنا کہ دوار، مشن 2025 کے تحت لگانے کا عزم کیا گیا تھا۔ چنانچہ اس کے تحت پہلا کیمپ لونی

## ہیومن ویلفیئر فاؤنڈیشن کی سالانہ اسکالرشپ تقسیم 75 ہونہار بچوں کو دی گئی اسکالرشپ

پہنچانا اپنا فرض سمجھتے ہیں۔ ہماری یہ اسکالرشپ بچوں کے خواب کی تکمیل میں معاون ثابت ہو رہی ہے، گزشتہ اٹھارہ سال میں کم وبیش دس ہزار طلبہ کو اسکالرشپ دی گئی ہے میڈیکل سروس سوسائٹی کے سرپرست پروفیسر ڈاکٹر محمد فاروق نے طلبہ کو نصیحت کی کہ وہ اس امداد کو اپنی تعلیمی ترقی کا ذریعہ بنائیں اور سماج کی خدمت کا عزم لے کر آگے بڑھیں۔ تقریب میں ہیومن ویلفیئر فاؤنڈیشن کے سیکرٹری ملک معتمد خان نے کہا کہ ہم توقع کرتے ہیں کہ یہ تعاون آپ کو اچھا شہری بننے میں معاون ثابت ہو گا واضح ہو کہ فاؤنڈیشن ہر سال ملک بھر میں 2002 سے زائد یتیم طلبہ کو اسکالرشپ فراہم کر رہی ہے جبکہ گریجویٹ اور پوسٹ گریجویٹ سطح کے 500 سے زائد طلبہ کو میرٹ کی بنیاد پر تعلیمی مدد دی جاتی ہے۔



جو پسماندہ طبقات کو باوقار زندگی کی طرف لے جاتی ہے۔ انہوں نے مزید کہا کہ ہیومن ویلفیئر فاؤنڈیشن کا یہ قدم سماجی انصاف کی عملی تصویر ہے فلاحی اداروں کی ذمہ داری صرف امداد دینا نہیں بلکہ نوجوانوں میں خود اعتمادی پیدا کرنا بھی ہے۔ جنرل سکرٹری ہیومن ویلفیئر فاؤنڈیشن ساجد ایم نے اپنے صدارتی خطاب میں انہوں نے کہا ہم مذہب، ذات اور سیاست سے بالاتر ہو کر صرف ضرورت مند طلبہ تک مدد

نئی دہلی: (پریس ریلیز) ہیومن ویلفیئر فاؤنڈیشن کی جانب سے سالانہ اسکالرشپ تقسیم پروگرام انڈیا اسلامک کلچرل سینٹر میں منعقد ہوا، جس میں دہلی اور اطراف کے 75 مستحق اور ہونہار طلبہ کو تعلیمی اسکالرشپ فراہم کی گئی۔ پروگرام میں سابق مرکزی وزیر انڈیا اسلامک کلچرل سنٹر کے صدر سلمان خورشید نے بطور مہمان خصوصی شرکت کی۔ انہوں نے اپنے خطاب میں کہا کہ ”تعلیم ہی وہ واحد طاقت ہے

## بھارت چین تعلقات: محض نعروں سے مضبوط معاشی پالیسی کی طرف واپسی سے بنے گی بات

ہوتا ہوا دیکھنے کو ملا ہے، نتیجتاً بھارت سرکار تجارتی نقصان بڑھ کر تقریباً 99 بلین ڈالر تک جا پہنچا۔ یہ نقصان محض کاغذی عدد بھر نہیں تھا بلکہ بھارت کی صنعتی کمزوری اور اشیاء کے امپورٹ کے اٹھارہ کی واضح علامت ہے۔ گلوں ویلی میں تصادم کے واقعے کے بعد بھارت نے چین کے خلاف سخت پالیسی کا رویہ اپنایا۔ مقصد تھا نیشنل سیکورٹی کے تئیں واضح پیغام دینا تھا اور عوامی جذبات کی ترجمانی بھی کرنی تھی۔ پھر کیا تھا، راتوں رات چینی کمپنیوں پر قدغ نہیں لگا دیا گیا، چینی ایپس پر بغیر کسی تاخیر کے پابندی لگادی گئیں اور سب سے بڑھ کر تکنیکی ماہرین کے ویزے بھی دینا تقریباً بند کر دیا گیا، یہ سب کچھ اسی پالیسی کا حصہ تھا۔

تسلیم کرتے ہوئے واپس اپنے موقف پر لوٹتی ہوئی دکھائی دے رہی ہے۔ موجودہ اعداد و شمار بھی اس حقیقت کو پوری طرح واضح کرتے نظر آتے ہیں۔ آج کی تاریخ میں بھارت اور چین کے درمیان سالانہ دو طرفہ تجارت تقریباً 127 سے 133 بلین ڈالر کے درمیان ہے۔ یہ حجم (Volume) اس کے باوجود برقرار ہے کہ سرحدی کشیدگی، ایپس پر پابندی، سرمایہ کاری کی سخت جانچ اور ویزا کارڈوں جیسے اقدامات کئی برسوں تک نافذ رہے۔ اس تجارت میں توازن واضح طور پر چین کے حق میں ہے۔ سال 2024 میں بھارت نے چین کو تقریباً 9.14 بلین ڈالر کی اشیاء ایکسپورٹ کی تھیں، جبکہ چین سے امپورٹ اس سے کہیں زیادہ مقدار میں

نئی دہلی: بھارت اور چین کے تعلقات گزشتہ کچھ سالوں سے سیاسی کشیدگی اور سرحدی تنازعات کا زبردست شکار رہے ہیں، مگر باوجود اس کے خطے کے دونوں ہی اہم ملک ایک دوسرے کے بڑے تجارتی پارٹنر کے ساتھ ساتھ سیاسی مجبوری بھی ہیں۔ موجودہ وقت میں مودی سرکار کی جانب سے چینی کاروباروں اور پیشہ ور ماہرین کے لیے ویزا پالیسی میں تیزی دراصل اس حقیقت کا عملی اعتراف ہے کہ خارجہ پالیسی محض جذباتی بیانات، سیکورٹی اعلانات یا داخلی سیاست کے دباؤ پر نہیں چل سکتے ہیں۔ ایسی صورت میں معاشی مفاد کو نظر انداز کرنے کی قیمت آخر کار ملک کو ادا کرنی پڑتی ہے، شاید یہی وجہ کہ بھارت سرکار اسی حقیقت پسندی کو

## ’فکر اسلامی کے فروغ و ارتقا میں ڈاکٹر عبدالحق انصاری کی فکری خدمات تحریک اسلامی کے حوالے سے کے عنوان پر پروفیسر کنور محمد یوسف امین کا یادگاری خطاب

کورسز کا تعارف کرایا اور ادارے کے اغراض و مقاصد سے سامعین کو روشناس کرایا۔ اجلاس کی صدارت فرما رہے ڈاکٹر حسن رضا (چیرمین اسلامی اکیڈمی ٹرسٹ) نے اپنی گفتگو میں کہا کہ ڈاکٹر عبدالحق انصاری مرحوم نے تحریک اسلامی کے دونوں محاذوں یعنی علمی و فکری کے ساتھ تعلیمی و ادارہ جاتی دونوں سطح پر اسلام کی خدمت کی۔ آپ ایک عالم، صوفی مفکر اور معلم و مربی تھے۔ تحریک اسلامی کے علمی و فکری سفر میں مولانا مودودیؒ کے بعد ڈاکٹر صاحب مرحوم نے ہندستان میں جماعت اسلامی کے لٹریچر اور سمت سفر پر مفصل اور مدلل گفتگو کی۔ مرحوم رد عمل کی نفسیات کا شکار نہیں ہوتے تھے، بلکہ علمی و فکری بنیادوں پر اختلافی افکار و آرا کا مدلل خاکمہ کرتے تھے۔ انھوں نے خواہش ظاہر کی کہ نوجوان نسل آگے بڑھیں اور اس لکچر کی روشنی میں ڈاکٹر صاحب کی علمی خدمات پر تحقیقی کام کریں۔ ڈاکٹر عبدالحق انصاری کے شاگردوں میں سے جناب امین، کیرلا، ڈاکٹر محبتی فاروق، جموں کشمیر، جناب بہار احمد فلاحی، سہانپور اور جناب انیس الرحمن ندوی نے ڈاکٹر صاحب مرحوم سے وابستہ یادوں کو پیش کرنے کی سعادت حاصل کی۔



کے فرائض انسٹی ٹیوٹ کے استاذ اور کورڈینیٹر جناب انیس الرحمن ندوی نے انجام دیے۔ پروفیسر حبیب احمد ڈاکٹر انسٹی ٹیوٹ آف اسلامک اسٹڈیز اینڈ ریسرچ نے استقبالیہ کلمات پیش کیے۔ انھوں نے فاضل مقرر سمیت تمام مہمانان کا استقبال کرتے ہوئے یادگاری خطبہ کی غرض و غایت پر مفصل روشنی ڈالی۔ ساتھ ہی جامع انداز میں انسٹی ٹیوٹ کے تمام

حسن رضا (چیرمین اسلامی اکیڈمی ٹرسٹ) کی صدارت میں منعقدہ پہلے ڈاکٹر عبدالحق انصاری یادگاری خطبے میں کیا۔ انھوں نے مزید کہا کہ ڈاکٹر صاحب علم و تحقیق کے لیے ہر دم یکسو تھے، خواص کی دلچسپی کے افکار و موضوعات کو مرکزی موضوع بناتے ہوئے کام کیا۔ اجلاس کا آغاز انسٹی ٹیوٹ کے طالب علم حافظ شاہنواز کی تلاوت کلام پاک سے ہوا۔ نظامت

نئی دہلی: تحریکات اسلامی کے دائرے میں مولانا مودودیؒ کے بعد ڈاکٹر عبدالحق انصاریؒ نے علمی و فکری لحاظ سے کلیدی پیش قدمی کی ہے۔ آپ نے مناسب حکمت و تدبیر کے ساتھ مغربی نظام ہائے حکومت و سیاست کے صالح عناصر کی دریافت کا کام انجام دیا۔ مرحوم کے علمی طریقہ کار کا کلیدی نکتہ یہ ہے کہ اسلام ایک نظام حیات ہے، جس کی ابتدا ایمان باللہ سے ہوتی ہے اور اختتام حکومت الہیہ کے قیام پر ہوتا ہے۔ ڈاکٹر صاحب مرحوم نے اپنے علمی کاموں میں جدید مغربی علوم کے تجزیاتی نقطہ نظر سے بھی بھرپور استفادہ کیا، اس کے باوجود مغربی افکار و نظریات سے مرعوب نہیں ہوئے۔ آپ کی علمی و فکری خدمات کو مقصد زندگی کا اسلامی تصور، اسلام اور تصوف، مغربی نظریات کے جدید تناظرات اور ہندستانی مذاہب کا مطالعہ دعوت اسلامی کے خصوصی حوالے سے کے چار بڑے دائروں میں تقسیم کر سکتے ہیں۔ ان خیالات کا اظہار ممتاز محقق اور معروف اسلامی اسکالر پروفیسر کنور محمد یوسف امین، سابق پروفیسر شعبہ طب یونانی، علی گڑھ نے ۱۳ دسمبر ۲۰۲۵ بروز اتوار افضل حسین آڈیٹوریم، انڈین انسٹی ٹیوٹ آف اسلامک اسٹڈیز اینڈ ریسرچ، نئی دہلی میں ڈاکٹر



# उपजाऊ भूमि पर एथेनॉल प्लांट के विरोध में आंदोलनरत किसानों पर राजस्थान सरकार की बर्बर हिंसा की किसान सभा ने कड़ी निन्दा की, 16 किसान घायल

कुरुक्षेत्र राजस्थान सरकार द्वारा 10 दिसंबर 2025 को हनुमानगढ़ जिले की टिब्बी तहसील में उपजाऊ भूमि पर अनाज—आधारित एथेनॉल प्लांट की स्थापना के विरोध में ातिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानों पर की गई बर्बर हिंसा की कड़े ाब्दों में निंदा करती है। अखिल भारतीय किसान सभा की कुरुक्षेत्र जिला समिति द्वारा आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए हरियाणा के राज्य अध्यक्ष, श्री बलबीर सिंह ने कहा कि राठीखेड़ा एवं आसपास के गांवों के हजारों किसान, अप्रैल 2024 से जारी 17 महीने लंबे आंदोलन के बावजूद राज्य सरकार द्वारा कोई सुनवाई न होने पर, महापंचायत करने के लिए एकत्र हुए थे। 10,000 से अधिक किसानों ने दो से चार फसली, समृद्ध भूमिकृजो स्थानीय आजीविका की रीढ़ हैकूपर थोपी जा रही इस परियोजना का विरोध किया।

श्री बलबीर सिंह ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा (ज़ाड) किसानों पर की गई इस दमनात्मक कार्रवाई की तीव्र निंदा करता है, जो कॉरपोरेट घरानों और बहुरा ढ्रीय कंपनियों के हित में की गई है। उन्होंने कहा कि मोदी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और “डबल इंजन” राज्य सरकारें लगातार किसानों पर हमले कर रही हैं, उपजाऊ भूमि का जबरन अधिग्रहण कर रही हैं और देश को गंभीर खाद्य सुरक्षा संकट की ओर धाकेल रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी साम्राज्यवादी ता. कतों के दबाव में मोदी सरकार पक्षपाती मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से भारतीय को आयात के लिए खोलना चाहती है, जो कॉरपोरेट एकाधिकारों के पक्ष में हैं और भारतीय किसानों के अस्तित्व के लिए घातक हैं। राजस्थान के किसानों के एथेनॉल प्लांट विरोधी संघ साथ पूर्ण एकजुटता और समर्थन व्यक्त करता है।

किसान सभा ने केंद्र और राज्य सरकारों को लोकतांत्रिक जन आंदोलनों के दमन और ज्वलंत समस्याओं के प्रति असंवेदनशीलता के खिलाफ चेताया। उसने अपनी इस मांग को दोहराया कि किसी भी सूरत में उपजाऊ भूमि को औद्योगिक उद्देश्यों के लिए परिवर्तित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।



प्रस्तावित परियोजना के लिए 2020 में कुछ किसानों से स्थानीय रोजगार का झूठा आश्वासन देकर भूमि खरीदी गई थी। वास्तविकता यह है कि यह परियोजना पशुपालन और पर्यावरण को नुकसान देगी।

खाद्यान्न से एथेनॉल उत्पादन में मेशिंग और किण्वन के लिए भूजल की अत्यधिक मात्रा की आवश्यकता होती है। प्रति लीटर एथेनॉल के लिए लगभग 10 से 17 लीटर पानी खर्च होता है। 13,20,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले इस प्लांट द्वारा प्रतिदिन उससे 10-17 गुना अधिक भूजल निकाला जाएगा, जिससे अपूरणीय क्षरण होगा।

इसके अतिरिक्त, एथेनॉल उत्पादन का लगभग 90% बिजली अपशिष्ट होता है, जिसमें माइक्रोटॉक्सिन, भारी धातुएं, बायो—एमाइन्स, जैविक एलिडहाइड, अम्ल, कीटनाशक अवशेष और विषैली गैसें शामिल हैं। ये प्रदूषक अनाज, जल स्रोतों और हवा को करते हैं, जिससे मनुष्यों और पशुओं के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा होता है। सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था न होने पर यह कचरा अक्सर भूमिगत कुओं में डाला जाता है, जिससे भूजल स्थायी रूप से जहरीला हो जाता हैकृजैसा कि पंजाब के जीरा में देखा गया, जहां व्यापक किसान आंदोलनों के बाद एथेनॉल प्लांट बंद करना पड़ा। प्रस्तावित 40 मेगावाट सह—उत्पादन विद्युत संयंत्र में पराली जलाई जाएगी, जिससे विषैली गैसों और प्रतिदिन 220 किंवटल से अधिक जहरीली राख उत्पन्न होगी। राख के निस्तारण के लिए कोई वैज्ञानिक तंत्र नहीं है, जिससे मिट्टी की उर्वरता को भारी नुकसान पहुंचेगा। जहां देशभर में किसान साल में एक बार पराली जलाने पर अपराधी ठहराए जाते हैं, वहीं उत्तर सरकार इस औद्योगिक इकाई को रोज पराली जलाने की अनुमति

दे रही हैकृयह उसका खुला दोहरापन है। यह परियोजना ₹20 एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम के अंतर्गत आती है। चंडीगढ़ स्थित ड्यून एथेनॉल प्रा. इवेट लिमिटेड द्वारा लगभग 40 एकड़ भूमि अधिग्रहित की गई है। 16 जून 2021 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 1320 केलपीडी अनाज—आधारित एथेनॉल प्लांट और 40 मेगावाट सह—उत्पादन विद्युत संयंत्र को पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की।

यह क्षेत्र घग्गर नदी बेसिन में स्थित है एक—आश्रित, बाढ़—प्रवण और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील इलाका। यह राजस्थान के गिने—चुने हरित क्षेत्रों में से एक है, जहां साल में दो से चार फसलें होती हैं और व्यापक पशुपालन से लाखों लोगों की आजीविका चलती है। किसानों को अब समझ आ गया है कि रोजगार के बजाय यह परियोजना उनकी उपजाऊ भूमि को बंजर में बदल देगी।

आंदोलन अप्रैल 2024 में हुआ। सरकार ने अधिक मुआवजे का प्रस्ताव देकर किसानों को करने की कोशिश की, जिसे किसानों ने सिर से खारिज कर दिया। 25 नवंबर 2025 को बैठक तय थी, लेकिन उससे पहले 19 नवंबर को भारी पुलिस बल तैनात कर प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

परिणामस्वरूप 10 दिसंबर की महापंचायत में लगभग 15 गांवों के किसानों ने भाग लिया। जब पुलिस ने लाठीचार्ज किया तो स्थिति बिगड़ गई। इसके परिणामस्वरूप 16 किसान गंभीर रूप से घायल हुए और 40 से अधिक किसानों को गिरफ्तार किया गया।

अखिल भारतीय किसान सभा, भजनलाल सरकार से जोरदार मांग करती है किकृसभी गिरफ्तार किसानों को तत्काल रिहा किया जाए, घायलों को समुचित मुआवजा एवं चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए, किसानों की एक्शन कमेटी के साथ वास्तविक संवाद किया जाए, उपजाऊ भूमि पर प्रस्तावित एथेनॉल प्लांट परियोजना को रद्द किया जाए।

महापंचायत द्वारा 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया, जिसने सर्वसम्मति से अमरजीत सिंह को संयोजक तथा मेवा सिंह, राजविंदर सिंह चंदी और राजबीर हथोरा को सह—संयोजक चुना।

# मुख्यमंत्री ने भावान्तर भरपाई योजना के तहत 380 करोड़ रुपये बाजरा उत्पादक किसानों के लिए जारी किये

नई दिल्ली: हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि आज सरकार ने भावान्तर भरपाई योजना के तहत 380 करोड़ रुपये बाजरा उत्पादक किसानों के लिए जारी किये हैं। किसानों की समृद्धि के बिना प्रदेश में खुशहाली नहीं आ सकती। इसलिए किसान हित सरकार के लिए सर्वोपरि हैं। किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक के कृषि चक्र पर सहायता दी जाती है। यदि प्राकृतिक आपदा से फसल को नुकसान होता है तो मुआवजे व फसल बीमा का प्रावधान है। कटाई के बाद फसल के दाने—दाने की खरीद की व्यवस्था की गई है और भुगतान सीधा किसान के खाते में डाला जाता है।

वे आज अपने सरकारी आवास संत कबीर कुटीर में किसान मोर्चा के पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भूपाल सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री श्री सुरेंद्र पुनिया, प्रदेश महामंत्री डॉ अर्चना गुप्ता, किसान मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राजबाला समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने किसान मोर्चा के पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे प्रदेश के किसानों को सूक्ष्म सिंचाई के प्रति प्रेरित करें, इससे जहां पानी की बचत होगी वहीं फसल पर किसान की लागत में भी कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि आज किसानों की सभी 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि आपदा के समय किसानों के साथ सरकार खड़ी रहती है। पिछले 11 सालों में किसानों को फसल खराबे के मुआवजे के रूप में 15 हजार 728 करोड़ रुपये दिये हैं।

फसलों की खरीद को सुविधाजनक बनाने हेतु “मेरी फसल मेरा ब्यौरा” पोर्टल शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर किसान को अपनी फसल बेचने



के साथ—साथ खाद, बीज, ऋण और उपकरणों के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता भी घर बैठे मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बताया कि खरीफ सीजन—2025 की फसलों को प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के लिए 53 हजार 821 किसानों को 116 करोड़ 51 लाख रुपये से अधिक की राशि मुआवजे के रूप में जारी की गई।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म कर दिया है। यही नहीं किसानों की तरफ पिछले आबियाने का 133 करोड़ 55 लाख 48 हजार रुपये बकाया माफ किया गया। उन्होंने कहा कि सबको पता है कि हमारी सरकार ने गन्ने का भाव बढ़ाकर 415 रुपये प्रति किंवटल तक किया है, जो कि देश में सर्वाधिक है।

श्री नायब सिंह सैनी ने किसानों के हित में लिए गए अन्य फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि फसलों की ऑनलाइन बिक्री के लिए प्रदेश की 108 मंडियों को ई—नाम (ई—छाड़) पोर्टल से जोड़ा गया। पिंजौर में एशिया की सबसे बड़ी आधुनिक सेब, फल एवं सब्जी मंडी शुरू की गई है। हरियाणा ऑपरेशनल पायलट परियोजना के अन्तर्गत राज्य में अब तक 1 लाख 54 हजार 985 एकड़ भूमि का सुधार किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती योजना के तहत 31,873 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए

19,723 किसानों का सत्यापन किया जा चुका है। इस योजना के अन्तर्गत 2500 किसानों को 4 ङ्ग प्रति किसान की दर से 75 लाख रुपये, 523 देसी गाय की खरीद के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपये अनुदान राशि सीधा किसान के बैंक खाते में स्थानांतरित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र लघु और सीमांत किसान परिवारों को 6 हजार रुपये वार्षिक दर से 20 लाख 18 हजार किसानों के खातों में 7233 करोड़ रुपये डाले गये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 33 लाख 51 हजार से अधिक किसानों को 9127 करोड़ रुपये बीमा क्लेम के रूप में दिए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि हाल ही में, किसानों की पैक्सों की तरफ बकाया अतिदेय ऋण की समस्या के समाधान के लिए एकमुश्त निपटान योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत प्रदेश के 6 लाख 81 हजार 182 किसानों और गरीब मजदूरों का 2 हजार 266 करोड़ रुपये का ब्याज माफ किया है। इसके अलावा, एकमुश्त निपटान योजना के तहत 4 लाख 10 हजार किसानों का 1314 करोड़ रुपये का ब्याज व जुर्माना माफ किया गया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों को बायोगैस प्लांट पर 9800 रुपये से लेकर 22,750 रुपये प्रति प्लांट अनुदान दिया जाता है। अनुसूचित जाति व जनजाति के किसानों को बायोगैस प्लांट

पर 17,000 रुपये से लेकर 29,250 रुपये प्रति प्लांट अनुदान दिया जाता है। अनुसूचित जाति के किसानों को बैटरी चालित स्प्रे पम्प पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। सोलर पम्प लगाने के लिए किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि बैंकों से किसानों के लेनदेन पर लगने वाली स्टाम्प फीस 2000 रुपये से घटाकर 100 रुपये की गई है। उन्होंने बताया कि सब्जियों व फलों के लिए भावांतर भरपाई योजना में 21 बागवानी फसलों के संरक्षित मूल्य निर्धारित किए तथा 30 हजार से अधिक किसानों को 136 करोड़ 66 लाख रुपये का भावांतर दिया गया है। खरीफ सीजन—2021 से बाजरे की उपज को भी भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत शामिल किया गया। अब तक किसानों को बाजरा भावांतर के रूप में 1600 करोड़ से अधिक की राशि दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की भ्रष्टाचार दंड से अधिक पैदावार (अधिकतम वृद्धि—डबल वृद्धि) लेने की अवधारणा के तहत सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों पर हरियाणा सरकार द्वारा 85 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है ताकि जल संरक्षण हो सके। उन्होंने बताया कि कम पानी से अधिकतम सिंचाई के लिए

भूमिगत पाइप लाइन स्कीम के तहत किसानों को 10,000 रुपये प्रति एकड़, अधिकतम 60,000 रुपये प्रति किसान अनुदान राशि दी जा रही है। इसी प्रकार, फव्वारा संयंत्र प्रणाली के तहत किसानों को 85 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। हर खेत को पानी के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए जलमार्गों की संशोधित नीति—2021 लागू की गई है। मिकाड़ा द्वारा 1144 जल मार्गों की पहचान पुनर्वास के लिए की गई है, जिसमें से 357 जलमार्गों का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि चालू में उपरोक्त कार्य के लिए 200 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान है। साथ ही 20 साल से अधिक पुराने रजवाहों को भी दोबारा पक्का किया जाएगा।



# مرکزی تعلیمی بورڈ کا دوروزہ کل ہند تربیتی و تفہیمی پروگرام برائے معلمین و معلمات اختتام پذیر

بھوپور تو جدی جاتی ہے۔ میں اس کی اہمیت سے انکار نہیں کرتا، لیکن اس کے ساتھ ساتھ بچوں کی دینی تعلیم و تربیت کی فکر بھی انتہائی ضروری ہے، اور جزوقتی مکاتب اس ضرورت کو پورا کرنے کا بہترین ذریعہ ہیں۔ معلمین کا کام صرف ایک گھنٹہ پڑھا دینا نہیں بلکہ بچوں کی شخصیت سازی اور انھیں حسن اخلاق سے آراستہ کرنا اصل ذمہ داری ہے۔“ کلیدی خطبہ پیش کرتے ہوئے پروفیسر محسن عثمانی ندوی نے کہا: ”آج ہندوستان میں مسلمان ناگفتہ بہ حالات سے دوچار ہیں، جس کی سب سے بڑی وجہ انہیائی مشن سے دوری ہے۔ جزوقتی مکاتب کے ذریعہ نسل نو کی تربیت کے لیے اس مشن کو دوبارہ زندہ کیا جاسکتا ہے۔ اسی کے ذریعے ملت اسلامیہ کو عزت و وقار مل سکتا ہے۔ لہذا تعلیم و تربیت کے ذریعے بچوں میں پیغمبرانہ مشن کو زندہ کیا جائے۔“ مولانا انعام اللہ فلاحی نے اظہار خیال کرتے ہوئے کہا کہ ہماری تیار کردہ نصائی کتب کا مقصد صرف عربی سکھانا نہیں بلکہ طلبہ میں بنیادی دینی شعور پیدا کرنا ہے۔



بالقرآن سے ہوا۔ اس کے بعد مرکزی تعلیمی بورڈ کے ڈائریکٹر سید تنویر احمد نے اپنی افتتاحی گفتگو میں کہا: ”آج بچوں کو نیٹ، جے ای ای وغیرہ جیسے کورسز میں داخلے کے لیے تیار کرنے پر

نئی دہلی: جماعت اسلامی ہند کے تحت مرکزی تعلیمی بورڈ کی جانب سے منعقدہ دوروزہ ”کل ہند تربیتی و تفہیمی پروگرام برائے معلمین و معلمات و ذمہ داران جزوقتی مکاتب“ آج اختتام پذیر ہوا۔ اس پروگرام میں ملک کی مختلف ریاستوں سے جزوقتی مکاتب کے معلمین، معلمات اور ذمہ داران نے شرکت کی اور مکاتب میں طریقہ تدریس سے متعلق تربیت حاصل کی۔ اس موقع پر جماعت اسلامی ہند کے نائب امیر پروفیسر سلیم انجینئر نے اپنے اختتامی خطاب میں کہا: ”بچوں کی تعلیم و تربیت ایک حساس عمل ہے۔ اساتذہ نسل نو کو مستقبل کے لیے تیار کرتے ہیں، یہ ایک عظیم ذمہ داری اور امانت ہے۔ اس ذمہ داری کو صحیح طور پر ادا کرنے کے لیے استاد کو ہر لمحہ کچھ نیا سیکھتے رہنے کی ضرورت ہے۔ اس ملک میں اقامت دین کی راہ ہموار کرنے کے لیے سب سے آسان راستہ جزوقتی مکاتب کا قیام اور نسل نو کی اسلامی تعلیم و تربیت ہے۔ لہذا اس اہم خدمت کو معمولی نہ سمجھیں بلکہ اسے اپنے دینی فریضے کے طور پر انجام دیں۔

## وائس چانسلر جامعہ ہمدرد کا مخطوطاتی ورثے کے تحفظ کے عزم کا اظہار

جن کی فراخ دلانہ حمایت اور بروقت اقدامات کے نتیجے میں جامعہ ہمدرد کو مخطوطاتی ورثے کے لیے کلسٹر سینٹر نامزد کیا گیا۔ ڈاکٹر اختر پرویز نے کہا کہ گیان بھارتم کے تحت کلسٹر سینٹر کی حیثیت سے جامعہ ہمدرد مخطوطات کے منظم سروے اور فہرست سازی، حفاظتی و علاجی مرمت، صلاحیت سازی کی ورکشاپس، مخطوطات کی ڈیجیٹائزیشن اور انہیں نیشنل ڈیجیٹل ریپوزٹری سے مربوط کرنے، نیز نقل صوت، ترجمہ، تنقیدی متون کی تیاری، تحقیق، اشاعت، نمائشوں اور وسیع تر عوامی رابطہ سرگرمیوں کو انجام دے گی۔ یہ شراکت جامعہ ہمدرد کے لیے ایک انقلابی قدم ہے، جو یونیورسٹی کو مخطوطاتی مطالعات، ڈیجیٹل ہیومنیز اور ثقافتی تحفظ کے میدان میں صف اول میں لا کھڑا کرتی ہے۔ کلسٹر سینٹر کے قیام سے محققین اور طلبہ کے لیے تحقیق و تربیت کے نئے مواقع پیدا ہوں گے اور نادر و قیمتی علمی روایات تک قومی اور بین الاقوامی سطح پر رسائی ممکن ہو سکے گی۔ جامعہ ہمدرد آئندہ نسلوں کے لیے بھارت کے مخطوطاتی ورثے کے تحفظ کے مشترکہ وژن کو آگے بڑھانے کے لیے گیان بھارتم کے ساتھ قریبی تعاون کی خواہاں ہے۔



پروفیسر ایم اے سکندر، ڈائریکٹر، سینٹر فار ڈسٹنس اینڈ آن لائن ایجوکیشن، جامعہ ہمدرد، اور پروفیسر ریاض عمر، رکن ایگزیکٹو کونسل، جامعہ ہمدرد نے باقاعدہ طور پر دستخط شدہ ایم او یو وائس چانسلر جامعہ ہمدرد پروفیسر (ڈاکٹر) ایم افشار عالم کو پیش کیا۔ جامعہ کے سینئر عہدیداران سے گفتگو کے دوران وائس چانسلر پروفیسر (ڈاکٹر) ایم افشار عالم نے کہا کہ وزارت ثقافت کے ساتھ یہ اشتراک جامعہ ہمدرد کے لیے

نئی دہلی: جامعہ ہمدرد (ڈیڈ ٹو بی یونیورسٹی) نے آج وزارت ثقافت، حکومت ہند کے فلک شپ پروگرام ”گیان بھارتم“ کے ساتھ ایک مفاہمتی یادداشت (ایم او یو) پر دستخط کیے، جس کا مقصد بھارت کے مخطوطاتی ورثے کے تحفظ، مرمت، ڈیجیٹائزیشن، ترجمہ اور تحقیق کے لیے قومی سطح پر جاری کوششوں کو مزید مضبوط بنانا ہے۔ اس ایم او یو پر دستخط کے ساتھ ہی جامعہ ہمدرد کو باضابطہ طور پر ”کلسٹر سینٹر“ کا درجہ دے دیا گیا ہے۔ اس حیثیت میں جامعہ ہمدرد نہ صرف اپنے مخطوطاتی ذخائر سے متعلق سرگرمیوں کی قیادت کرے گی بلکہ ملک بھر میں قائم ہیں تک کلسٹر پارٹنر مراکز کی رہنمائی، نگرانی اور ہم آہنگی کی ذمہ داری بھی ادا کرے گی۔ ایم او یو پر وزارت ثقافت کے ڈائریکٹر شری اندرجیت سنگھ اور جامعہ ہمدرد کے رجسٹرار (قائم مقام) ڈاکٹر سرفراز احسن نے دستخط کیے۔ اس موقع پر ڈاکٹر اختر پرویز، یونیورسٹی لائبریرین، جامعہ ہمدرد، پروفیسر انیر بان داس، پروجیکٹ ڈائریکٹر، اور مسٹر بھارت کمار، انڈر سیکریٹری، گیان بھارتم، وزارت ثقافت، حکومت ہند بھی موجود تھے۔ اس موقع پر ڈاکٹر اختر پرویز، ڈاکٹر سرفراز احسن،

## غیر فعال اردو اکادمیوں کی بحالی کے لیے یوڈی او کی ریاستی حکومتوں سے اپیل



نئی دہلی: اردو یوڈی او پلنٹ آرگنائزیشن (یوڈی او) کی ایک اہم نشست دریا گنج، نئی دہلی میں منعقد ہوئی، جس کی صدارت آل انڈیا طبلی کانگریس کے سکریٹری جنرل اور معروف حکیم ڈاکٹر سید احمد خان نے کی۔ اجلاس میں اردو زبان و ادب کے فروغ میں ریاستی اردو اکادمیوں کے کردار اور ان کی بگڑتی ہوئی صورت حال پر سنجیدہ گفتگو کی گئی۔ اجلاس میں بتایا گیا کہ اردو اکادمی دہلی سمیت بھار، اتر پردیش، راجستھان اور دیگر ریاستوں کی اردو اکادمیوں کو مستقل عملے کی کمی اور انتظامی تقرریوں میں تاخیر جیسے مسائل کا سامنا ہے۔ جس کے باعث ان کی کارکردگی متاثر ہو رہی ہے۔ شرکاء نے اردو جیسی اہم اور موثر زبان کے تئیں ریاستی حکومتوں کے غیر سنجیدہ رویے پر گہری تنقید کا اظہار کیا۔ اجلاس میں متفقہ طور پر ایک قرارداد منظور کی گئی جس میں قومی کونسل برائے فروغ اردو زبان سے مطالبہ کیا گیا کہ وہ ریاستی اردو اکادمیوں کو فعال بنانے، ان کی رہنمائی اور نگرانی کے لیے نوڈل ایجنسی کے طور پر موثر اقدامات کرے۔ اس موقع پر ماہنامہ ”رہنمائے تعلیم جدید“ کا اجرا بھی کیا گیا۔ ڈاکٹر سید احمد خان نے کہا کہ اردو اخبارات اور رسائل کی اشاعت موجودہ دور میں ایک بڑا چیلنج بن چکی ہے، لہذا اردو سے وابستہ افراد کو اشاعتی سرگرمیوں کی ہر ممکن حوصلہ افزائی کرنی چاہیے۔ اجلاس میں ممتاز صحافی ظفر انور شکر پوری سمیت متعدد اہل قلم و دانش نے شرکت کی۔ اختتام پر ڈاکٹر فیضان احمد صدیقی نے شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔

## جج 2026: مرکزی وزیر اقلیتی امور کرن رنجیو کی عازمین حج سے بروقت درخواست اور مجاز آپریٹرز کے انتخاب کی اپیل



نئی دہلی: مرکزی وزیر اقلیتی امور جناب کرن رنجیو نے جج 2026 کے سلسلے میں ایک اہم سرکلر جاری کرتے ہوئے عازمین حج سے اپیل کی ہے کہ وہ اپنے مقدس سفر کی منصوبہ بندی بروقت کریں، جلد درخواست جمع کرائیں اور صرف مجاز حج گروپ آرگنائزرز (HGOs) یا پرائیویٹ ٹور آپریٹرز (PTOs) کا ہی انتخاب کریں۔ مرکزی وزیر نے واضح کیا کہ 15 جنوری 2026 تک بروقت بنگلہ کرانے سے آخری لمحات میں پیش آنے والی مشکلات سے بچا جاسکتا ہے اور حج کے دوران رہائش، سفری انتظامات، نقل و حمل اور دیگر سہولیات کو بہتر اور منظم انداز میں یقینی بنایا جاسکتا ہے۔ انہوں نے کہا کہ تاخیر سے درخواست دینے کی صورت میں محدود سہولیات، اضافی اخراجات اور انتظامی مسائل کا سامنا کرنا پڑ سکتا ہے۔ سرکلر میں اس بات پر خصوصی زور دیا گیا ہے کہ عازمین حج صرف حکومت ہند کی جانب سے منظور شدہ

انتظامات کی پیشگی منصوبہ بندی نہایت ضروری ہے، تاکہ سعودی عرب میں قیام کے دوران عازمین کو بہتر خدمات فراہم کی جاسکیں۔ وزارت اقلیتی امور نے تمام متوقع عازمین حج سے گزارش کی ہے کہ وہ جاری کردہ ہدایات پر عمل کریں، مقررہ وقت کے اندر اپنی درخواست اور بنگلہ مکمل کریں اور کسی بھی قسم کی معلومات یا رہنمائی کے لیے صرف مستند سرکاری ذرائع سے رجوع کریں، تاکہ حج 2026 کا یہ مقدس سفر خوش اسلوبی اور اطمینان کے ساتھ انجام دیا جاسکے۔

اور رجسٹرڈ HGOs/PTOs کے ذریعے ہی بنگلہ کرائیں، تاکہ کسی بھی قسم کی دھوکہ دہی، غیر معیاری خدمات یا قانونی پیچیدگیوں سے محفوظ رہا جاسکے۔ وزارت اقلیتی امور کے مطابق مجاز آپریٹرز کی فہرست متعلقہ سرکاری پلیٹ فارمز پر دستیاب ہے اور عازمین کو کسی غیر مصدقہ ادارے یا فرد کے جھانسنے میں نہیں آنا چاہیے۔ جناب کرن رنجیو نے کہا کہ حکومت ہند کا مقصد حج کے سفر کو زیادہ سے زیادہ شفاف، محفوظ، سہل اور عازمین کے لیے آرام دہ بنانا ہے۔ اسی مقصد کے تحت حج سے متعلق تمام